सांध्य दैनिक
4PM
जिद...सच की
www.4pm.co.in www.facebook.com/4pmnewsnetwork @Editor_SanjayS YouTube @4pm NEWS NETWORK
● वर्ष: 12 ● अंक 178 पृष्ठ: 8 ● लखनऊ, मंगलवार 4 अगस्त, 2026
मूल्य ₹ 3/-

थोडा सा अभ्यास बहुत सारे उपदेशों से बेहतर है।
-महात्मा गांधी

दलीप ट्रॉफी में अर्शदीप सिंह और अंशुल... 7 | सुप्रीम टिप्पणी व एमएलसी इस्तीफे... 3 | भगवान को नचाने वाले अहंकारियों को... 2

क्या से क्या हो गया देखते-देखते?

हार के बाद बीजेपी में कोहराम उठी आत्म मंथन की मांग

नितिन नबीन की सीट पर बीजेपी की हार ने बदल दिये पूरे देश के राजनीतिक समीकरण

» जब अध्यक्ष की सीट ही नहीं बची तो फिर क्या बचा?

» चार बार की विधायक के साथ कई नेताओं के बयान से तहलका व मुलाकात बाद माहौल गरमाया

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। उप-चुनाव में मिली हार के बाद बीजेपी में मातम का माहौल है और आत्म मंथन की मांग उठने लगी है। पीएम मोदी और बिहार के पूर्व सीएम नीतीश कुमार की आज हुई मुलाकात से बिहार समेत देश का राजनीतिक महौल गर्म है। सवाल बड़ा है उपचुनाव हारने के बाद क्या सत्ता की सबसे बड़ी चुनावी मशीन के भीतर कोई अलार्म बज चुका है? क्या यह महज चुनावी उतार चढ़ाव है या संगठन के भीतर दबी हुई बेचैनियों की पहली सार्वजनिक दस्तक? और उससे भी बड़ा सवाल जब पार्टी की वरिष्ठ नेता केंद्रीय नेतृत्व के सबसे प्रभावशाली राजनीतिक परिवारों में से एक की सदस्य यशोधरा राजे सिंधिया सिर्फ चार शब्द लिखती हैं आत्म मंथन का समय है तो क्या यह एक सामान्य सलाह है या फिर एक ऐसा राजनीतिक संकेत जिसे नजरअंदाज करना आसान नहीं होगा?

मध्य प्रदेश के दतिया में भाजपा की हार। बिहार के बांकीपुर में भाजपा को जन सुराज के हाथों पराजय का सामना करना पड़ा। चुनावी राजनीति में हार जीत नई बात नहीं होती लेकिन राजनीति में कई बार हार से ज्यादा चर्चा उस हार के बाद आने वाली पहली प्रतिक्रिया की होती है। इस बार चर्चा का केंद्र बने हैं यशोधरा राजे सिंधिया के वे चार शब्द जिन्होंने राजनीतिक गलियारों में आत्ममंथन की बहस को हवा दे दी है। यह वही भारतीय जनता पार्टी है जिसने पिछले एक दशक में चुनावी जीत को अपनी सबसे बड़ी पहचान बनाया। लेकिन उपचुनाव के इन नतीजों ने विपक्ष को सरकार पर सवाल उठाने का मौका दिया है और राजनीतिक विश्लेषकों के बीच यह चर्चा तेज हुई है कि क्या स्थानीय चुनावी रणनीति उम्मीदवार चयन और संगठनात्मक तालमेल की समीक्षा की जरूरत है।

यशोधरा राजे सिंधिया के आत्म-मंथन के बयान से राजनीतिक तूफान

मध्य प्रदेश में दतिया विधानसभा उपचुनाव और बिहार में बांकीपुर विधानसभा उपचुनाव में भाजपा की हार के एक दिन बाद भाजपा की वरिष्ठ नेता यशोधरा राजे सिंधिया ने पार्टी के भीतर आत्म मंथन करने की बात कही है। यशोधरा राजे सिंधिया ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक छोटा लेकिन अहम संदेश पोस्ट किया है जिसमें उन्होंने आत्म मंथन का समय है लिखा है। हालांकि उन्होंने इस बारे में विस्तार से कुछ नहीं कहा लेकिन यह पोस्ट दोनों उपचुनावों में भाजपा को मिली हार के बाद आया है और इसने राजनीतिक दलों का ध्यान खींचा है। वहीं पूर्व मुख्यमंत्री नीतिश कुमार की आज सुबह पीएम मोदी से मुलाकात को भी बांकीपुर हार से देखा जा रहा है। बीजेपी की आतंरिक राजनीति गर्म है और कल तक हाशिये पर पड़े नेता आज केन्द्रीय नेतृत्व पर सवाल उठाने को अतुर है।

नई राजनीतिक चर्चा शुरू

दतिया में कांग्रेस ने अपनी सीट बचा ली। बांकीपुर में प्रशांत किशोर की पार्टी ने पहली चुनावी जीत दर्ज कर नई राजनीतिक चर्चा शुरू कर दी। दोनों नतीजों के बाद भाजपा नेताओं ने लोकतांत्रिक जनादेश स्वीकार करने की बात कही लेकिन उसी बीच यशोधरा राजे सिंधिया का आत्म मंथन वाला संदेश सामने आया। यही वह क्षण है जिसने राजनीतिक बहस को नई दिशा दे दी है। अब निगाहें इस बात पर है कि क्या पार्टी इन नतीजों को सामान्य उपचुनावी संदेश मानकर आगे बढ़ेगी या इन्हें संगठन और चुनावी रणनीति की समीक्षा का अवसर बनाएगी। क्योंकि भारतीय राजनीति में कई बार छोटे चुनाव बड़े संदेश दे जाते हैं। इतिहास गवाह है कि उपचुनावों के संकेतों को समय रहते समझने वाली पार्टियां आगे मजबूत हुई हैं जबकि उन्हें हल्के में लेने वाली पार्टियों को बाद के बड़े चुनावों में कठिन चुनौतियों का सामना करना पड़ा। इसलिए सवाल सिर्फ़ दो सीटों का नहीं है। सवाल उस संदेश का है जिसने भाजपा के भीतर आत्म मंथन शब्द को राष्ट्रीय राजनीतिक बहस के केंद्र में ला खड़ा किया है। अब देखना यह होगा कि मंथन होगा तो उससे विष निकलेगा या फिर अमृत?

कांग्रेस को दतिया में पड़े अच्छे वोट

भारतीय निर्वाचन आयोग के अनुसार कांग्रेस ने मध्य प्रदेश की दतिया विधानसभा सीट अपने पास बरकरार रखी उसके उम्मीदवार घनश्याम सिंह ने भाजपा उम्मीदवार आशुतोष तिवारी को 6,0016 वोटों से हराया। घनश्याम सिंह को 66,757 वोट (42.39 प्रतिशत) मिले, जबकि तिवारी को 60,741 वोट (38.57 प्रतिशत) मिले। वोटों की गिनती के ज्यादातर समय कांग्रेस लगातार बढ़त बनाए रही। नौवें राउंड तक, सिंह ने 9,519 वोटों की बढ़त बना ली थी। हालांकि बाद के राउंड में भाजपा ने इस अंतर को कम किया, लेकिन वह कांग्रेस उम्मीदवार से आगे नहीं निकल पाई, जिन्होंने आखिरकार पार्टी के लिए यह सीट बरकरार रखी।

भगवान को नचाने वाले अहंकारियों को भगवान ने ही नचा दिया : अखिलेश यादव

» बांकीपुर में हार भाजपा पर सपा प्रमुख का तीखा प्रहार

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। समाजवादी पार्टी (सपा) के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव ने भाजपा के दतिया व बांकीपुर में हार पर उसके ऊपर तीखा प्रहार किया है। सपा प्रमुख ने 'भगवान को नचाने का अहंकार रखने वालों को भगवान ने ही नचा दिया।

देश के विभिन्न राज्यों में हुए उपचुनावों में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की हार को लेकर सोमवार को निशाना साधते हुए इसे 'डबल इंजन की डबल हार' करार दिया। अखिलेश ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, भगवान को नचाने का अहंकार रखने वालों को भगवान ने ही नचा दिया। खुद को भगवान से ऊपर समझने वालों को भगवान ने चलती गाड़ी से नीचे उतार दिया है और साथ ही उनका घमंड भी तोड़ दिया। उन्होंने कहा कि भाजपा की हार युवाओं की एकजुटता और उनके अभिभावकों के आक्रोश का परिणाम है।

सपा प्रमुख ने आरोप लगाया कि भाजपा ने वोट चोरी, पेपर लीक, चंदा चोरी, नौकरी चोरी, आरक्षण चोरी, कमीशनखोरी, पीडीए पर अत्याचार, भ्रष्टाचार, महंगाई, मिलावट और माताओं-बेटियों के अपमान के जरिए जनता के विश्वास को ठेस पहुंचाई है। उन्होंने कहा, अब तो भाजपा वाले भी अपने ही किसी का इस्तीफा मांगेंगे। जो अपनी विधानसभा नहीं बचा सके, उनके भरोसे नाव कैसे पार होगी। बिहार की बांकीपुर विधानसभा सीट पर हुए उपचुनाव में भाजपा उम्मीदवार को जन सुराज पार्टी के संस्थापक प्रशांत किशोर ने हराया।

जब राष्ट्रीय अध्यक्ष विधानसभा नहीं जिता पाए तो राज्य अध्यक्ष विधानसभा कैसे लड़वाएंगे

यह उपचुनाव भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन के विधानसभा से इस्तीफे के बाद हुआ था। अखिलेश यादव ने भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष और राष्ट्रीय अध्यक्ष पर निशाना साधते हुए कहा, सबसे ज्यादा खुश तो उत्तर प्रदेश में वे लोग हैं, जिन्हें पीडीए समाज से होने के कारण राष्ट्रीय स्तर का पद न देकर राज्य स्तर का पद दिया गया। उन्होंने कहा, जब राष्ट्रीय अध्यक्ष विधानसभा नहीं जिता पाए तो राज्य अध्यक्ष विधानसभा कैसे लड़वाएंगे। यह 'डबल इंजन की डबल हार' है।

भाजपा की हार बदलाव की शुरुआत है

सपा प्रमुख ने कहा कि भाजपा की हार बदलाव की शुरुआत है और पार्टी की परंपरागत तथा सुरक्षित मानी जाने वाली सीट भी अब उसे नहीं बचा पाएंगी। उन्होंने विजयी उम्मीदवारों को बधाई देते हुए कहा कि उनसे नई उम्मीदों पर खरा उतरने और संविधान के प्रति प्रतिबद्ध रहने की अपेक्षा है।

बसपा संगठन को मजबूत करने की तैयारी शुरू

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। बसपा ने फिर से अपने संगठन को मजबूत करने की तैयारी शुरूकर दी है। पार्टी प्रमुख मायावती के निर्देश पर बहुजन समाज पार्टी द्वारा 10 अगस्त को हाथरस में कार्यकर्ता सम्मेलन का आयोजन किया जाएगा। सम्मेलन में बसपा के राष्ट्रीय कोऑर्डिनेटर एवं पूर्व मुख्यमंत्री मायावती के भतीजे आकाश आनंद मुख्य अतिथि के रूप में शामिल होंगे। सम्मेलन के लिए पार्टी कार्यकर्ताओं ने क्षेत्र में व्यापक जनसंपर्क अभियान शुरू कर दिया है।

सोमवार को बसपा नेताओं और कार्यकर्ताओं ने पुसैनी, नगला चांद, कुरसंडा, कुंजलपुर, नगला जगराम, बढ़ार, नगला रामचंद्र, सलेमपुर, नगला केसरी, शेरपुर और धनौली समेत कई गांवों में पहुंचकर लोगों को सम्मेलन में शामिल होने का निमंत्रण दिया और पार्टी की नीतियों से अवगत कराया। बसपा नेता डॉ. अविन शर्मा, जेपी सागर एवं नाहर सिंह सुमन ने बताया कि सम्मेलन को ऐतिहासिक बनाने की तैयारियां जोरों पर चल रही हैं। उन्होंने कहा कि इस दौरान पार्टी के आगामी कार्यक्रमों की रूपरेखा पर भी चर्चा होगी। साथ ही सम्मेलन में पार्टी प्रत्याशी की घोषणा किए जाने की भी संभावना है। मौके पर प्रमोद आजाद, जलालुद्दीन अब्बासी, महीपाल सिंह, विक्रम सिंह, नीरज शर्मा सहित अन्य पार्टी कार्यकर्ता मौजूद रहे।

इंडिया गठबंधन जानबूझकर संसद सत्र बाधा डाल रहा यह लोकतंत्र का अपमान : पात्रा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। मंगलवार को भाजपा ने कांग्रेस और उसके इंडिया गठबंधन के सहयोगियों पर संसद के मॉनसून सत्र में जान-बूझकर बाधा डालने का आरोप लगाया। पार्टी ने कहा कि विरोध-प्रदर्शनों की वजह से ज़रूरी बिलों पर चर्चा रुक गई है और पेपर लीक व छात्रों के विरोध-प्रदर्शन जैसे मुद्दों पर विपक्ष का दोहरा रवैया सामने आया है।

पार्टी मुख्यालय में एक प्रेस कॉन्फ्रेंस को संबोधित करते हुए,भाजपा के राष्ट्रीय प्रवक्ता और लोकसभा सांसद संबित पात्रा ने आरोप लगाया कि संसद के हर सत्र पर करोड़ों रुपये खर्च होने के बावजूद, प्रश्न काल और शून्य काल में बार-बार बाधा डाली गई है, जिससे सांसद अपने संसदीय क्षेत्रों से जुड़े मुद्दों को उठाने के मौके से वंचित रह गए हैं। पात्रा ने कहा कि संसद का 26 का मॉनसून सत्र जिस तरह से चल रहा है और जिस तरह कांग्रेस पार्टी अपने कुछ सहयोगी दलों के साथ मिलकर सत्र में बाधा डाल रही है, वह गंभीर चिंता का विषय है। संसद के हर सत्र पर करोड़ों रुपये खर्च होते हैं। हालांकि, जब से सत्र शुरू हुआ है, संसद में प्रश्नकाल नहीं हो पाया है। शून्यकाल के दौरान भी बाधाएं पैदा की जा रही हैं। उन्होंने कहा कि शायद ही किसी बिल पर चर्चा हो रही है। इसकी वजह कांग्रेस पार्टी और उसके इंडिया गठबंधन के कुछ सहयोगियों का रवैया है।

आजाद समाज पार्टी एवं भारतीय जनता पार्टी छोड़कर सैंकड़ों लोग हुए कांग्रेस पार्टी में शामिल

» प्रदेश कांग्रेस के प्रभारी के समक्ष ग्रहण की कांग्रेस की सदस्यता

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। कांग्रेस पार्टी की नीतियों में आस्था रखते हुए लखनऊ के सैंकड़ों युवाओं एवं पदाधिकारियों ने आजाद समाज पार्टी और भारतीय जनता पार्टी छोड़कर उत्तर प्रदेश कांग्रेस मुख्यालय में प्रदेश कांग्रेस प्रभारी राजेन्द्र पाल गौतम पूर्व मंत्री के समक्ष कांग्रेस पार्टी की सदस्यता ग्रहण की। प्रदेश कांग्रेस के ज्वाइनिंग प्रभारी नतिन शर्मा ने सदस्यता ग्रहण करने वालों को विधिवत कांग्रेस पार्टी की प्राथमिक सदस्यता दिलायी।

इस अवसर पर प्रभारी ने कहा कि आज देश और प्रदेश की सत्ता में वह लोग बैठे हैं जो राम के नाम पर सत्ता में आये हैं और राम मंदिर में ही दान चोरी और चढ़ावा चोरी कर रहे हैं। आज प्रदेश में दलितों, पिछड़ों, अल्पसंख्यकों के साथ अन्याय हो रहा है। युवा निराश है सरकार नौकरियां देने में अक्षम साबित हो रही है और आवाज उठाने वालों पर दमनात्मक कार्यवाही की जा रही है। उन्होने कहा कि भाजपा सरकार हर मोर्चे पर विफल साबित हुई है।

आजाद समाज पार्टी छोड़कर कांग्रेस में शामिल होने वालों में प्रमुख रूप से कानपुर ग्रामीण के फौजी भारत भूषण संखवार पूर्व जिलाध्यक्ष आजाद समाज पार्टी के नेतृत्व में सैंकड़ों युवाओं, महिलाओं ने पार्टी की सदस्यता ग्रहण की जिनमें कानपुर देहात के प्रदीप संखवार पूर्व जिलाध्यक्ष आजाद समाज पार्टी, सुनील कोरी पूर्व कानपुर महानगर अध्यक्ष, रमाशंकर अम्बेडकर, धीरेन्द्र अम्बेडकर, रामकृपाल संखवार, राजेश राघव निषाद, राजेन्द्र कुमार संखवार, अमित कुमार संखवार, रवीन्द्र नाथ, पंकज गौतम, नीरज गौतम, सुरेन्द्र कुमार संखवार, सीताराम संखवार, एडवोकेट नौसाद आलम, अमन सैनी, विक्रम, अनमोल गौतम, शैलेन्द्र, नितीश कुमार, मो. अकरम, मोहम्मद बाबू, मोहम्मद मुजीब, अनुज प्रकाश, पंकज कुमार, मनोज कुमार कोरी, एडवोकेट संजय कोरी आदि आजाद समाज पार्टी के पदाधिकारियों ने अपने सैंकड़ों समर्थकों के साथ कांग्रेस पार्टी की सदस्यता ग्रहण की।

इसी क्रम में जनपद कानपुर नगर के भारतीय जनता पार्टी युवा मोर्चा छोड़कर उप्र कांग्रेस कमेटी की निवर्तमान प्रदेश सचिव श्रीमती अर्चना राठौर के नेतृत्व में प्रांजुल पाण्डेय, आशीष यादव, आलोक तिवारी, विनय यादव आदि ने कांग्रेस पार्टी की सदस्यता ग्रहण की। इसी प्रकार जनपद लखनऊ के युवा विशाल यादव ने कांग्रेस पार्टी की सदस्यता ग्रहण की।

नये सदस्यों के आने से पार्टी को मजबूती मिलेगी : राजेन्द्र

प्रदेश कांग्रेस प्रभारी राजेन्द्र पाल गौतम पूर्व मंत्री ने कांग्रेस पार्टी की सदस्यता ग्रहण करने वालों का कांग्रेस पार्टी में स्वागत करते हुए विश्वास व्यक्त किया कि जिस प्रकार लगातार भारी संख्या में विभिन्न दलों को छोड़कर प्रदेश के हर जनपद से हर वर्ग के युवा, महिलाएं कांग्रेस में शामिल हो रहे हैं उससे पार्टी को मजबूती मिलेगी।

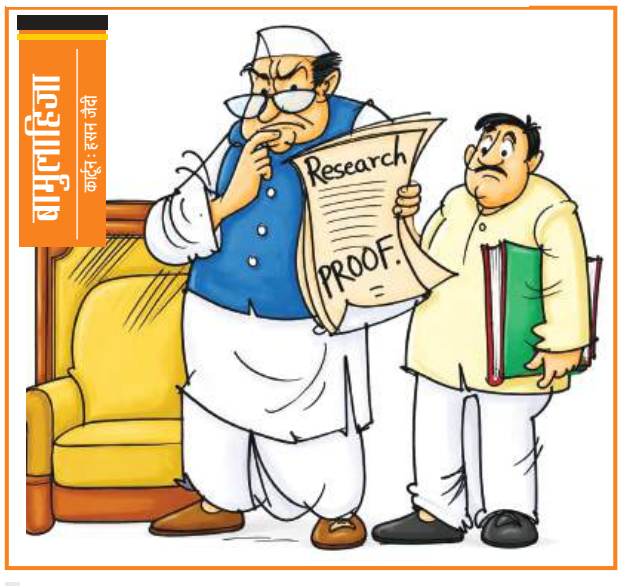

कांगेस अध्यक्ष पद से नहीं दूंगा इस्तीफा : राजा वडिंग

» संगठन को मजबूत करने के लिए काम करते रहेंगे

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

बठिंडा/मुक्तसर। पंजाब कांग्रेस में जारी अंतर्कलह के बीच पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष अमरिंदर सिंह राजा वडिंग ने कहा कि वह अपने पद से इस्तीफा नहीं देंगे। हाल के दिनों में पार्टी के कार्यक्रमों के दौरान वडिंग को पूर्व मुख्यमंत्री चरणजीत सिंह चन्नी के समर्थकों की ओर से नारेबाजी का सामना करना पड़ा है।

बठिंडा में पंजाब के प्रभारी एआईसीसी महासचिव भूपेश बघेल की मौजूदगी में मीडिया से बातचीत के दौरान एक सवाल के जवाब में वडिंग ने कहा, मैं इस्तीफा नहीं दूंगा। इसी बीच, पंजाब कांग्रेस प्रमुख ने कहा कि अगर पार्टी नेतृत्व उन्हें हटाने का फैसला करता है, तो भी वह संगठन को मजबूत करने के लिए काम करते रहेंगे। वडिंग ने कहा कि पिछले चार वर्षों से उन्होंने पार्टी के लिए पूरी निष्ठा से काम किया है और 2024 के लोकसभा चुनाव में पार्टी ने 13 में से सात सीटें जीती थीं।

पंजाब कांग्रेस के प्रभारी के समाने चन्नी की जयकार

उस दिन बठिंडा में एक जनसभा के दौरान, पूर्व मुख्यमंत्री चरणजीत सिंह चन्नी को ऐसे नारों का सामना करना पड़ा जिनमें उन्हें पार्टी का मुख्यमंत्री पद का उम्मीदवार घोषित करने की मांग की गई थी। इस कार्यक्रम में पंजाब कांग्रेस के प्रभारी और छत्तीसगढ़ के पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल के साथ-साथ पंजाब कांग्रेस के अध्यक्ष अमरिंदर सिंह राजा वडिंग भी शामिल हुए। जब राजा वडिंग ने भीड़ को संबोधित करना शुरू किया, तो नारे लगने लगे। उन्होंने नारे लगा रहे समर्थकों में से एक को मंच पर बुलाया ताकि वह चन्नी को फ़ोन कर सके। समर्थकों ने बार-बार मांग की कि कांग्रेस नेतृत्व 27 के पंजाब विधानसभा चुनावों के लिए चन्नी को पार्टी का चेहरा बनाए। हंगामे के दौरान कुछ लोगों को कुर्सियां उठाते हुए भी देखा गया।

पंजाब कांग्रेस घबराई हुई, आपसी कलह में उलझी है : भगवंत मान

पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान ने कांग्रेस पार्टी की आलोचना की। उन्होंने आरोप लगाया कि 27 के विधानसभा चुनाव करीब आने के बावजूद पार्टी में अंदरूनी कलह मची है और वे राज्य के मुद्दों को नज़रअंदाज़ कर रहे हैं। मान ने कहा कि कांग्रेस घबराई हुई है। उनकी आपसी लड़ाई खत्म नहीं हो रही है। वे पंजाब से जुड़े किसी भी मुद्दे पर बात नहीं कर रहे हैं। वे बस यही कह रहे हैं, मिस्टर बघेल, वापस जाइए। 27 में जनता भारी बहुमत के साथ आम आदमी पार्टी को फिर से सत्ता में लाएगी।

सुप्रीम टिप्पणी व एमएलसी इस्तीफे पर छिड़ा घमासान

बिहार में एकबार फिर सियासत गरमाई

» भाजपा के विधान परिषद सदस्य के सीट छोड़ने पर सवाल

» विपक्ष ने इसपर एनडीए सरकार को घेरा

» दीपक प्रकाश ने कहा- अलग-अलग मुद्दों को आपस में न जोड़ें

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

पटना। बिहार में बांकीपुर में मतदान हो चुका है। पर वहां चुनाव परिणाम पर चर्चा से ज्यादा सुप्रीम कोर्ट की टिप्पणी के बाद एक इस्तीफे पर हो रही है। उसको लेकर वहां की सियासत में बवाल मचा हुआ। विपक्ष एनडीए सरकार को घेर रही जबकि जिन पर सवाल उठ रहा है वह इससे पल्ला झाड़ रहे है। बता दें सुप्रीम कोर्ट की टिप्पणी के बाद बिहार सरकार में मंत्री दीपक प्रकाश को लेकर चल रही अटकलों के बीच बड़ा घटनाक्रम सामने आया है। भाजपा के विधान परिषद सदस्य देवेश कुमार ने अपने पद से इस्तीफा दे दिया है, जिसे प्रदेश अध्यक्ष संजय सरावगी ने स्वीकार कर लिया।

सुप्रीम कोर्ट ने बिहार सरकार में मंत्री दीपक प्रकाश को लेकर सवाल उठाया था। अब इस मामले में बड़ा अपडेट आया है। भारतीय जनता पार्टी की ओर से विधान परिषद गए देवेश कुमार ने अपना इस्तीफा दे दिया है। भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष संजय सरावगी ने उनका इस्तीफा दे दिया। मार्च 27 में देवेश कुमार का कार्यकाल पूरा होने वाला था। इससे पहले उनका इस्तीफा ले लिया गया। इससे यह साफ हो गया कि अब दीपक प्रकाश मंत्री बने रहेंगे। सूत्र बता रहे हैं कि देवेश कुमार की जगह अब दीपक प्रकाश को विधान परिषद भेजा जाएगा। वहीं दो दिवसीय दौरे पर पहुंचे बिहार सरकार के पंचायती राज मंत्री दीपक प्रकाश ने बेनीपुर की रमौली और अलीनगर की अधलोआम पंचायत में पंचायत सरकार भवनों का निरीक्षण किया। उन्होंने आरटीपीएस काउंटर का उद्घाटन किया, ग्रामीणों से संवाद कर उनकी समस्याएं सुनीं और शीघ्र समाधान का भरोसा दिया। इसके बाद पत्रकारों से बातचीत करते हुए एमएलसी देवेश कुमार के इस्तीफे से जुड़े सवाल पर उन्होंने कहा, मुझे इस बात की कोई जानकारी नहीं है और न ही यह जानकारी है कि पटना में क्या हो रहा है। शनिवार को मंत्री दीपक प्रकाश एनडीए नेताओं से मुलाकात करेंगे और उसके बाद प्रेस वार्ता को संबोधित करेंगे। वहीं, विभागीय समीक्षा बैठक के बाद पटना रवाना होंगे। साथ ही उन्होंने स्पष्ट कहा कि इन दोनों घटनाओं को आपस में जोड़ने का कोई आधार नहीं है।

सुप्रीम कोर्ट ने बिहार सरकार से किया था सवाल

सुप्रीम कोर्ट ने गुरुवार को बिहार सरकार से पूछा कि पंचायती राज मंत्री दीपक प्रकाश किस संवैधानिक आधार पर छह महीने से अधिक समय तक विधायक या विधान परिषद सदस्य बने बिना मंत्री पद पर बने हुए हैं। शीर्ष अदालत ने कहा कि राज्य सरकार को इस मामले में स्पष्ट जवाब देना होगा। यह मामला अब अगले सप्ताह सुनवाई के लिए सूचीबद्ध किया जाएगा। बिहार सरकार की ओर से अदालत को बताया गया कि मामला पहले से 27 अगस्त को सुनवाई के लिए सूचीबद्ध है। सुनवाई की तारीख आगे बढ़ाने या पहले सुनने का फैसला अदालत के विवेक पर छोड़ दिया गया।

सार्वजनिक रूप से कुछ कहना उचित नहीं होगा : दीपक

पंचायती राज मंत्री दीपक प्रकाश ने अपने मंत्री पद से जुड़े मामले पर सुप्रीम कोर्ट में चल रही सुनवाई को लेकर टिप्पणी करने से इनकार किया है। उन्होंने कहा कि मामला सर्वोच्च न्यायालय में विचाराधीन (सब-ज्यूडिस) है, इसलिए इस पर सार्वजनिक रूप से कुछ भी कहना उचित नहीं होगा। उन्होंने भरोसा जताया कि मामले से जुड़े सभी तथ्य सुप्रीम कोर्ट के समक्ष रखे जाएंगे। मंत्री दीपक प्रकाश ने आगे कहा कि आप तीन अलग-अलग बातों को जोड़ रहे हैं। सुप्रीम कोर्ट में चल रहा मामला, देवेश कुमार का इस्तीफा और अन्य चर्चाएं। इन तीनों को आपस में जोड़ने का कोई तार्किक आधार या आधिकारिक जानकारी नहीं है। इसलिए इन्हें एक-दूसरे से जोड़कर नहीं देखा जाना चाहिए।

उपेंद्र कुशवाहा भी ऐसे ही गए थे राज्यसभा!

इसके पहले भी रालोमो के वर्तमान अध्यक्ष उपेंद्र कुशवाहा को भी जब राज्यसभा भेजा गया तो तब भी उन्हें भी भूमिहार की सीट पर ही भेजा गया था। तब यह हुआ था कि विवेक ठाकुर के रिक्त सीट पर रालोमो के अध्यक्ष उपेंद्र कुशवाहा को राज्यसभा भेज कर बीजेपी के रणनीतिकारों ने कुशवाहा की राजनीति साधने की कोशिश की थी। हालांकि यह सीट इसलिए खाली हुई थी कि विवेक ठाकुर नवादा से लोकसभा चुनाव जीत गए थे। और तब जुलाई 2024 को भाजपा ने बिहार से उस राज्यसभा की खाली सीटों से उपेंद्र कुशवाहा को भेजा जो विवेक ठाकुर के लोकसभा सीट जीतने से खाली हुई थी। तब 2 जुलाई को बिहार भाजपा के तत्कालीन अध्यक्ष और उपमुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने विवेक ठाकुर के रिक्त सीट पर उपेंद्र कुशवाहा की उम्मीदवारी घोषित की थी।

नाराजगी की वजह

नवादा लोकसभा से जब विवेक ठाकुर ने जीत दर्ज की तो राज्यसभा की सीट ऐसे भी विवेक ठाकुर को छोड़ना ही था। लेकिन जब इस सीट से उपेंद्र कुशवाहा को भेजा गया तो बीजेपी के भूमिहार नेता काफी नाराज हुए। उनका तर्क था विवेक ठाकुर भूमिहार कोटे से राज्यसभा गए थे। उनकी जीत नवादा लोकसभा से हुई भी तो किसी अन्य भूमिहार को राज्यसभा भेजा जाना चाहिए था। लेकिन गठबंधन की राजनीति के कारण कुशवाहा को चली गई।

धलोआम के बजाय पकड़ी पंचायत पहुंचे मंत्री

रमौली पंचायत के बाद मंत्री का कार्यक्रम अलीनगर प्रखंड की अधलोआम पंचायत में था, लेकिन पंचायत सरकार भवन तक सड़क निर्माण नहीं होने के कारण उनका कार्यक्रम बदल दिया गया। इसके बाद वह पकड़ी पंचायत पहुंचे, जहां नवनिर्मित पंचायत सरकार भवन का फीता काटकर एवं दीप प्रज्ज्वलित कर उद्घाटन किया। इस दौरान मंत्री ने कहा कि मुख्यमंत्री के नेतृत्व में सरकार पंचायत स्तर पर सभी विभागों की सेवाएं उपलब्ध कराने के उद्देश्य से पंचायत सरकार भवनों का निर्माण करा रही है, ताकि ग्रामीणों को अपनी समस्याओं के समाधान के लिए प्रखंड या जिला मुख्यालय का चक्कर न लगाना पड़े। उन्होंने अधिकारियों को चेतावनी देते हुए कहा कि जनता की समस्याओं के समाधान में किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। कार्यक्रम की विशेष बात यह रही कि मंत्री ने मंच से एक बुजुर्ग ग्रामीण को बुलाकर उनके हाथों फीता कटवाकर भवन का शुभारंभ कराया।

ये हैं देवेश कुमार

30 अगस्त 1964 को समस्तीपुर जिले के पूसा प्रखंड के मोहम्मदपुर देवपाट गांव में जन्मे देवेश कुमार स्वतंत्रता सेनानी और किसान नेता पंडित यमुना कारजी के पोते हैं। एक वक्त में भाजपा के कद्दावर नेता और पूर्व केंद्रीय मंत्री अरुण जेटली के काफी करीबी माने जाते थे। देवेश कुमार जब जेएनयू में पढ़ते थे, तब से ही एबीवीपी से जुड़े हुए थे। कॉलेज के बाद उन्होंने पत्रकारिता शुरू की। कई बड़े अखबारों में एडिटर रहे। जब उन्होंने भाजपा जॉइन की तो इन्हें तुरंत ही प्रदेश प्रवक्ता की जिम्मेदारी दे दी गई थी। अगले ही बार इन्हें उपाध्यक्ष बना दिया गया। प्रदेश मुख्यालय का प्रभारी भी बना दिया गया। देवेश कुमार का कद भाजपा में काफी बढ़ गया। इसके बाद कई दफा इनके नाम राज्यसभा सांसद और एमएलसी के तौर पर आने लगे, लेकिन इन्हें सफलता तब मिली जब 17 मार्च 21 राज्यपाल कोटे से 12 एमएलसी बनाए गए। इसमें एक देवेश कुमार भी शामिल थे। इस दौरान देवेश कुमार को प्रदेश महामंत्री की भी जिम्मेदारी की गई थी।

Sanjay Sharma

editor.sanjaysharma

@Editor_Sanjay

जिद... सच की

अब मनुष्य को प्रकृति के साथ ज्यादती छोड़नी होगी

अभी जापान, मैक्सिको, चीन में भूकंप आया। भारत के केरल, हिमाचल, गुजरात, महाराष्ट्र में वर्षा की वजह से तबाही आई। इस समय मानसून सीजन चल रहा है। पहाड़, मैदान हो समुद्र वाले इलाके सब जगह भूस्खलन व अन्य आपदाएं आ रही है। ये के वल प्रकृति के साथ मनुष्य के किए ज्यादती का नतीजा है। देखेने में आर रहै पूरी दुनिया में मौसम के तेजी से बिगड़ते मिजाज के कारण विभिन्न देशों में प्रकृति की मार अब स्पष्ट नजर आने लगी है। प्रकृति के साथ खिलवाड़ का ही परिणाम है कि अब हर साल देश के कई हिस्से भारी बारिश के कारण बाढ़ की वजह से त्राहि-त्राहि करते नजर आते हैं जबकि कई हिस्से मानसून के दौरान भी पर्याप्त बारिश के लिए तरसते रह जाते हैं। कोरोना महामारी के कारण लगे लॉकडाउन के दौर में पूरी दुनिया ने पहली बार प्रकृति को खुलकर मुस्कराते देखा था क्योंकि तब औद्योगिक इकाईयां, हवाई व रेल यात्राएं, बस यात्रा तथा निजी वाहनों का आवागमन बंद होने से हर तरह के प्रदूषण का स्तर पूर्ण रूप से नियंत्रित हो गया था।

गंगा, यमुना जैसी जो पवित्र नदियां कई जगहों पर गंदे नालों की भांति बहती दिखाई देती थी, उनमें जल की निर्मल धारा बहने लगी थी। जिन नदियों को साफ करने के लिए पिछले कुछ दशकों में अनेक योजनाएं और समितियां बनी तथा नदियों की स्वच्छता के नाम पर अरबों-खरबों रुपये खर्च हो गए, लॉकडाउन के दौरान वे स्वत: ही स्वच्छ और निर्मल हो गई थी। पहली बार देखा गया था कि किस प्रकार लॉकडाउन के चलते लोगों के घरों में बंद रहने और सभी प्रकार के व्यावसायिक कार्य बंद हो जाने से हवा इतनी शुद्ध हो गई थी कि सैंकड़ों किलोमीटर दूर स्थित पर्वतों की चोटियां भी स्पष्ट दिखाई दी थी। जिन नन्हीं चिड़ियों की चहचहाहट को हमारे कान तरस गए थे, ब्रह्म मुहूर्त में उनकी मधुर आवाज फिर से सुनाई देनी लगी थी। प्रकृति के उस साफ-सुथरे स्वरूप को देखकर हर कोई खुश था। बिगड़ते पर्यावरणीय संतुलन और मौसम चक्र में आते बदलाव के कारण पेड़-पौधों की अनेक प्रजातियों के अलावा जीव-जंतुओं की कई प्रजातियों के अस्तित्व पर भी संकट के बादल मंडरा रहे हैं। पर्यावरण के तेजी से बदलते इस दौर में वैश्विक स्तर पर लोगों का ध्यान इन समस्याओं की ओर आकृष्ट करने के लिए ही प्रतिवर्ष 28 जुलाई को 'विश्व प्रकृति संरक्षण दिवस' मनाया जाता है, जिसके माध्यम से वातावरण में हो रहे व्यापक बदलावों के चलते लगातार विलुप्ति के कगार पर पहुंच रही जीव जंतुओं और वनस्पतियों की अनेक प्रजातियों की रक्षा का संकल्प लिया जाता है।

प्रकृति के साथ खिलवाड़ का ही परिणाम है कि अब हर साल देश के कई हिस्से भारी बारिश के कारण बाढ़ की वजह से त्राहि-त्राहि करते नजर आते हैं जबकि कई हिस्से मानसून के दौरान भी पर्याप्त बारिश के लिए तरसते रह जाते हैं।

(इस लेख पर आप अपनी राय 9559286005 पर एसएमएस या info@4pm.co.in पर ई-मेल भी कर सकते हैं)

निरंतर बढ़ते प्लास्टिक कूड़े के निपटान की चुनौती

दीपिका अरोड़ा

धरती पर निरंतर बढ़ता प्लास्टिक कचरा एक प्रमुख पर्यावरणीय समस्या बनकर उभर रहा है। देश में प्रतिवर्ष लगभग 94 लाख टन से लेकर 1.02 करोड़ टन तक प्लास्टिक वेस्ट पैदा होता है। धरती, समुद्र, पहाड़, नदियां -शायद ही कोई कोना प्लास्टिक कचरे की घुसपैठ से बचा हो! सड़कों, गलियों, नालियों में यत्र-तत्र फैंके गए प्लास्टिक के लिफाफे अक्सर भूखे जानवरों के गले में फंसकर उनकी मौत तक को न्योता दे सकते हैं। गत दिनों ही प्रकाशित एक खबर के अनुसार, हरियाणा में करीब चार फुट लंबे कोबरा के पेट में काली पॉलीथिन फंसने से उसकी जान पर बन आई।

हिसार स्थित लाला लाजपत राय पशु चिकित्सा एवं पशु विज्ञान विश्वविद्यालय (लुवास) के चिकित्सकों ने करीब एक घंटे की सर्जरी करके इंसानी लापरवाही के शिकार निरीह जीव को 'प्लास्टिक आफत' से निजात दिलाई! देश में 1 जुलाई, 2022 से लागू सिंगल यूज प्लास्टिक पर प्रतिबंध, प्लास्टिक अपशिष्ट प्रबंधन नियम, 2016 के तहत प्लास्टिक के कटलरी-स्ट्रॉ, पतले प्लास्टिक सजावटी सामान तथा गुणवत्ता रहित प्लास्टिक लिफाफे प्रतिबंधित होने के बाबजूद ये आम प्रचलन में हैं। विशेषकर, घटिया मेटिरियल से निर्मित प्लास्टिक के लिफाफे आज भी देश के अधिकतर हिस्सों में देखे जा सकते हैं। सामान डालने के लिए समुचित व सर्वसुलभ विकल्प उपलब्धता न करा पाना इसमें मुख्य कारण है, जिसके चलते जुर्माने जैसी दंडात्मक कार्रवाई की कोशिश भी खटाई में पड़ती देखी गई। विकास तथा आधुनिकीकरण ने यदि वैश्विक स्तर पर प्लास्टिक के निर्माण तथा उपभोग में भारी वृद्धि की, तो इसमें मुख्य वजह इसकी बहुउपयोगिता, टिकाऊपन तथा अपेक्षाकृत कम लागत होना है। हालांकि, अविश्वसनीय रूप से लंबे समय तक बने रहने की यही विशेषता पर्यावरण की सेहत के लिहाज से हानिप्रद साबित होती है। प्लास्टिक के न सड़ने तथा वर्षों तक जमीन के अंदर कायम रहने से मिट्टी की उपजाऊ शक्ति कम हो जाती है।

प्लास्टिक बैग नालियां, सीवेज सिस्टम आदि ब्लॉक करके अस्वच्छता बढ़ाने के साथ बीमारियां फैलाने की वजह बनते हैं। माइक्रोप्लास्टिक के सूक्ष्म कण वायु, जल तथा भोजन के जरिए शरीर में प्रविष्ट होकर, मानव व अन्य जीव-जंतुओं के स्वास्थ्य को क्षति पहुंचाते हैं। प्लास्टिक से निकलने वाले रसायनों से हार्मोन असंतुलन, कैंसर जैसी समस्याएं पनप सकती हैं। इसे

जलाने से उत्पन्न विषैली गैसें सांस संबंधी गंभीर बीमारियां उत्पन्न करती हैं। प्रतिवर्ष लगभग 8० लाख टन प्लास्टिक कचरे का दुनिया के समुद्रों तथा महासागरों में पहुंचना, समुद्री जीवन के लिए प्रतिकूलताएं लेकर आता है। आर्थिक गतिविधियों पर बोझ डालने वाला प्लास्टिक कचरा जलवायु परिवर्तन का बड़ा कारण बनता है। दरअसल, पर्यावरण व जैव विविधता के लिए गंभीर खतरा बन चुका प्लास्टिक कूड़ा वैज्ञानिक चमत्कार के बजाय पारिस्थितिक अभिशाप माना जाने लगा है। प्लास्टिक कचरे का समुचित निस्तारण न हो पाना प्रमुख चुनौती है। देश में रोजाना निकलने वाले लगभग 26,००० टन प्लास्टिक कचरे में से करीब 6० प्रतिशत कचरे का ही रिसाइक्लिंग हो पाता है, शेष हिस्सा पर्यावरण अथवा लैंडफिल में बना रहता है। इसका अनुचित निपटान पर्यावरण प्रदूषण, जैव विविधता की हानि तथा पारिस्थितिकी तंत्र के क्षरण का व्यापक कारण बनता है। भस्मीकरण, लैंडफिलिंग जैसी उपलब्ध प्रक्रियाएं अस्थिर, महंगी व पर्यावरण के प्रतिकूल हैं। इसीलिए, अब जैव-अपघटनीय प्लास्टिक तथा वैकल्पिक निपटान विधियों जैसे विकल्पों पर बल दिया जा रहा है, विशेषकर, सूक्ष्म जीवों द्वारा कृत्रिम प्लास्टिक को बिना किसी हानिकारक प्रभाव के विघटित करने की क्षमता पर। नवीकरणीय संसाधनों से बने तथा जैव-अपघटनीय (बायोडिग्रेडेबल) बायोप्लास्टिक का उपयोग प्लास्टिक प्रदूषण घटाकर ग्रीनहाउस गैस उत्सर्जन कम करने के साथ पर्यावरणीय स्थिरता को बढ़ावा दे सकता है, किंतु भारी प्रगति के बावजूद स्केलेबिलिटी, लागत प्रतिस्पर्धात्मकता तथा जीवनचक्र के अंत प्रबंधन जैसी कठिनाइयां कायम हैं, जिनके लिए अतिरिक्त अनुसंधान तथा नवाचार की जरूरत है।

ऐसे में वैश्विक स्तर पर बायोप्लास्टिक विकल्पों के विकास और कार्यान्वयन के लिए शिक्षाविदों, व्यवसायियों एवं सरकारों के बीच सहयोग अनिवार्य है। प्लास्टिक उत्पादकों को जवाबदेह ठहराने के लिए मजबूत नीतियां बनाने तथा लागू करने से भी कहीं अधिक महत्वपूर्ण है, वस्तुस्थिति का जायजा लेते हुए वैकल्पिक प्रबंधन के उपाय ढूंढ़ना। इनके बगैर प्लास्टिक के उत्पादन व बिक्री पर पूर्णत: रोक लगाना संभव नहीं।

राष्ट्रीय सम्मान व संवैधानिक स्वतंत्रता का संतुलन

प्रो. डॉ. भरत

वंदे मातरम् केवल एक गीत नहीं, बल्कि भारत के स्वतंत्रता संग्राम की आत्मा, राष्ट्रीय स्वाभिमान का उद्घोष और सांस्कृतिक राष्ट्रचेतना का अमर प्रतीक है। बंकिमचंद्र चट्टोपाध्याय द्वारा 1882 में प्रकाशित 'आनंदमठ' में रचित इस गीत ने पराधीन भारत में स्वतंत्रता की चेतना को स्वर दिया। 1905 के बंग-भंग आंदोलन से लेकर 1942 के भारत छोड़ो आंदोलन तक यह लाखों स्वतंत्रता सेनानियों का प्रेरणामंत्र बना रहा। इसी ऐतिहासिक योगदान को देखते हुए संविधान सभा ने 'जन-गण-मन' को राष्ट्रगान तथा 'वंदे मातरम' को राष्ट्रीय गीत के रूप में समान सम्मान प्रदान किया। किंतु दोनों के विधिक संरक्षण में लंबे समय से एक असमानता बनी रही, जिसे दूर करने के उद्देश्य से अब संसद ने राष्ट्रीय गौरव अपमान निवारण (संशोधन) विधेयक, 2026 को पास किया है। इस संशोधन के तहत अब राष्ट्रीय गीत के गायन को जानबूझकर रोकना अथवा उसके गायन के दौरान सभा में व्यवधान उत्पन्न करना दंडनीय अपराध होगा।

इस संशोधन से पहले राष्ट्रीय गौरव अपमान निवारण अधिनियम, 1971 केवल 'राष्ट्रध्वज' और 'राष्ट्रगान' के अपमान को दंडनीय अपराध घोषित करता था तथा राष्ट्रीय गीत इस संरक्षण से बाहर था। परिणामस्वरूप, वंदे मातरम के जानबूझकर अपमान पर इस विशेष कानून के अंतर्गत कार्रवाई संभव नहीं थी। अब इस संशोधन ने इस विधिक रिक्तता को समाप्त करते हुए राष्ट्रीय गीत को भी राष्ट्रगान के बराबर संरक्षण प्रदान कर दिया है। इस कदम का समर्थन करने वालों का तर्क है कि जब संविधान सभा ने राष्ट्रीय गीत और राष्ट्रगान को समान सम्मान दिया था, तो उनके विधिक संरक्षण में भी समानता होनी चाहिए। सरकार का मानना है कि वंदे मातरम केवल एक गीत नहीं, बल्कि स्वतंत्रता आंदोलन की ऐतिहासिक विरासत और राष्ट्रीय अस्मिता का प्रतीक है, इसलिए उसकी गरिमा की रक्षा आवश्यक है। वहीं, विरोधियों ने आशंका व्यक्त की है कि इसका दुरुपयोग अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता को सीमित करने के लिए भी किया जा सकता है।

भारतीय संविधान इस विषय पर संतुलित दृष्टिकोण अपनाता है। जहां एक तरफ अनुच्छेद 19(1)(क) प्रत्येक नागरिक को अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता प्रदान करता है, वहीं दूसरी ओर अनुच्छेद 19(2) राष्ट्रीय सुरक्षा, सार्वजनिक व्यवस्था और राज्य की अखंडता जैसे आधारों पर उचित प्रतिबंध लगाने का अधिकार देता है। इसी प्रकार अनुच्छेद 25 अंत:करण और धर्म की स्वतंत्रता की रक्षा करता है। इसलिए कानून के जरिए किसी नागरिक को वंदे मातरम गाने के लिए बाध्य नहीं किया जा सकता। वहीं इस संशोधन का उद्देश्य राष्ट्रीय गीत का जानबूझकर अपमान करने वालों पर रोक लगाना और उसकी गरिमा की रक्षा करना है और संभवत: यही इस संशोधन का वास्तविक उद्देश्य भी है। इस संदर्भ में सर्वोच्च न्यायालय का 'बिजो इमैनुएल बनाम केरल राज्य' (1986) का निर्णय विशेष रूप से महत्वपूर्ण है क्योंकि न्यायालय ने इस फैसले में स्पष्ट किया कि किसी नागरिक को उसके धार्मिक विश्वासों के विरुद्ध राष्ट्रगान गाने के लिए बाध्य नहीं किया जा सकता, यदि वह सम्मानजनक व्यवहार करता है और कोई अपमानजनक आचरण नहीं करता। इस निर्णय का मूल सिद्धांत स्पष्ट है कि 'सम्मान' और 'अनिवार्यता' दो अलग-अलग अवधारणाएं हैं।

कानून सम्मान को तो सुनिश्चित कर सकता है, किंतु श्रद्धा को बाध्य नहीं किया जा सकता। यही संवैधानिक दृष्टिकोण राष्ट्रीय गीत के संदर्भ में भी मार्गदर्शक रहेगा। यद्यपि संविधान के अनुच्छेद 51(क) में 'राष्ट्रध्वज' और 'राष्ट्रगान' के सम्मान को नागरिकों का मूल कर्तव्य बताया गया है, लेकिन वहां भी राष्ट्रीय गीत का स्पष्ट उल्लेख नहीं है। फिर भी स्वतंत्रता संग्राम में उसकी भूमिका और संविधान सभा द्वारा प्रदान किए गए सम्मान को देखते हुए उसके प्रति आदर भारतीय लोकतांत्रिक संस्कृति और राष्ट्रीय चेतना का स्वाभाविक हिस्सा है। राष्ट्रीय प्रतीकों का महत्व केवल विधिक नहीं, बल्कि ऐतिहासिक, सांस्कृतिक और भावनात्मक भी होता है। नि:संदेह, कानून का उद्देश्य संवैधानिक मूल्यों और नागरिक उत्तरदायित्व की रक्षा करना है। वास्तविक राष्ट्रीय सम्मान केवल दंडात्मक प्रावधानों से स्थापित नहीं होता। विद्यालयों, महाविद्यालयों और विश्वविद्यालयों में स्वतंत्रता आंदोलन, संविधान और वंदे मातरम की ऐतिहासिक भूमिका के प्रति जागरूकता विकसित करना भी एक प्रभावी उपाय है।

जब नागरिक किसी राष्ट्रीय प्रतीक के महत्व को समझते हैं, तब उसका सम्मान स्वाभाविक रूप से उनके व्यवहार का हिस्सा बन जाता है। कानून इस सम्मान का संरक्षक हो सकता है, उसका विकल्प नहीं। वंदे मातरम भारत की ऐतिहासिक स्मृति, सांस्कृतिक चेतना और राष्ट्रीय आत्मगौरव का अभिन्न अंग है। डेढ़ सौ वर्षों से निरंतर वंदे मातरम साहस, एकता और राष्ट्रप्रेम का अमर प्रेरणा-स्रोत बना हुआ है। अब जब राष्ट्रीय गौरव अपमान निवारण (संशोधन) विधेयक, 2026 कानून का रूप ले चुका है, तो राष्ट्रीय गीत को भी राष्ट्रगान के समान विधिक संरक्षण प्राप्त हो गया है। किंतु इसकी सफलता केवल दंडात्मक प्रावधानों से नहीं, बल्कि इस बात से तय होगी कि राष्ट्रीय सम्मान और संवैधानिक स्वतंत्रताओं के बीच संतुलन किस प्रकार बनाए रखा जाता है। भारतीय लोकतंत्र की शक्ति इसी में है कि वह राष्ट्रभक्ति और नागरिक स्वतंत्रता को परस्पर विरोधी नहीं, बल्कि पूरक मानता है।

काजीरंगा राष्ट्रीय उद्यान

काजीरंगा राष्ट्रीय उद्यान यूनेस्को वर्ल्ड हेरिटेज साइट है, जो एक-सींग वाले गैंडों के लिए विश्वभर में प्रसिद्ध है। यहां आप जीप सफारी और एलीफेंट सफारी का मजा ले सकते हैं। वन्यजीव प्रेमियों के लिए यह जगह किसी स्वर्ग से कम नहीं है।

कामाख्या मंदिर

कामाख्या मंदिर भारत के प्रमुख शक्तिपीठों में से एक है। यह मंदिर नीलाचल पहाड़ी पर स्थित है और यहां हर साल हजारों श्रद्धालु दर्शन के लिए आते हैं। यह मंदिर शक्ति की देवी सती का मंदिर है। प्राचीन काल से सतयुगीन तीर्थ कामाख्या वर्तमान में तंत्र सिद्धि का सर्वोच्च स्थल है। यहीं भगवती की महामुद्रा (योनि-कुण्ड) स्थित है। यहां मान्यता है, कि जो भी बाहर से आये भक्तगण जीवन में तीन बार दर्शन कर लेते हैं उनके सांसारिक भव बंधन से मुक्ति मिल जाती है।

हाफलोंग

हाफलोंग असम का एकमात्र हिल स्टेशन है, जो अपनी प्राकृतिक सुंदरता और शांत वातावरण के लिए जाना जाता है। यहां की झीलें और पहाड़ियां बेहद खूबसूरत हैं। शहर के बीच स्थित यह झील प्रमुख आकर्षण है। रहस्यमयी बर्ड मिस्ट्री के लिए विश्वभर में चर्चित गांव, जो हाफलांग से करीब 9 किमी दूर है। यह क्षेत्र कृषि और बागवानी के लिए भी जाना जाता है। यहां की अर्थव्यवस्था मुख्य रूप से कृषि, बागवानी, पर्यटन और छोटे व्यापार पर आधारित है। हाफलांग प्राकृतिक सौंदर्य, जनजातीय संस्कृति और शांत वातावरण के लिए प्रसिद्ध है। यह असम के प्रमुख पर्यटन स्थलों में से एक माना जाता है।

शांत और खूबसूरत जगहों के लिए जाएं असम

भारत के उत्तर-पूर्व में बसा असम अपनी प्राकृतिक सुंदरता, हरियाली, चाय बागानों और समृद्ध संस्कृति के लिए जाना जाता है। अगर आप भीड़-भाड़ से दूर किसी शांत और खूबसूरत जगह की तलाश में हैं, तो असम आपके लिए एक परफेक्ट डेस्टिनेशन हो सकता है। यहां की वादियां, नदियां, वन्यजीव और ऐतिहासिक स्थल हर यात्री को मंत्रमुग्ध कर देते हैं। असम एक ऐसा राज्य है जो अनुभवों का खजाना है। यहां आप एक तरफ जंगली जानवरों को करीब से देख सकते हैं, तो दूसरी तरफ आध्यात्मिक शांति का अनुभव कर सकते हैं। खासकर ब्रह्मपुत्र नदी के किनारे बसे शहर और प्राकृतिक पार्क यहां की खास पहचान हैं। अगर आप अपनी अगली छुट्टियों की प्लानिंग कर रहे हैं, तो इस बार असम को जरूर अपनी लिस्ट में शामिल करें। यहां आपको असम की 5 सबसे खूबसूरत जगहों के बारे में बताएंगे, जो आपकी यात्रा को यादगार बना देंगी।

सुआलकुची

सुआलकुची को सिल्क विलेज आफ असम कहा जाता है। यहां आपको असम की पारंपरिक रेशम साड़ियों और हस्तशिल्प का अनोखा अनुभव मिलेगा।

माजुली द्वीप

माजुली द्वीप दुनिया का सबसे बड़ा नदी द्वीप है, जो ब्रह्मपुत्र नदी के बीच स्थित है। जोरहाट शहर से सिर्फ 20 किमी और गुवाहाटी से 347 किलोमीटर दूर स्थित माजुली द्वीप लगभग 1250 वर्ग किमी के कुल क्षेत्रफल में फैला हुआ है। यहां की संस्कृति, सत्र (मठ) और शांत वातावरण आपको एक अलग ही अनुभव देंगे। ये आईलैंड भारत के उत्तर पूर्वी राज्य असम के माजुली में है, जिसके चलते इसका नाम माजुली आईलैंड है। असम की सबसे खूबसूरत जगहों में से एक माजुली यूनेस्को की विश्व धरोहर स्थलों में से एक के लिए भी मजबूत दावेदारी पेश कर रहा है।

हंसना मना है

पत्नी ने गुस्से में पति से कहा: मैं तंग आ गई हूं रोज की किच-किच से.. मुझे तलाक चाहिये! पति: ये लो चॉकलेट खाओ.. पत्नी (रोमांटिक होते हुए): मना रहें हो मुझे.. पति: नहीं रे पगली, मां कहती है, अच्छा काम करने से पहले, मीठा खाना चाहिए।

इंग्लिश ग्रामर की टीचर: आज हम नाउन पढ़ेंगे, टीचर: लड़की सबसे हंस के बात करती है, इसमें लड़की क्या है? पप्पू- मैडम जी वो लड़की बिगड़ी हुई है, किसी लड़के के चक्कर में पड़ी है।

पति बाल कटवाकर घर आया। पति: देखो, मैं तुमसे दस साल छोटा लगता हूं कि नहीं? पत्नी: मुंडन करवा लेते तो लगता जैसे अभी पैदा हुए हो।

पप्पू: पापा बुलेट दिला दो, बाप: पड़ोसन की लड़की को देख बस से जाती है.. पप्पू: यही तो देखा नहीं जाता!

मेरे एक पड़ोसी है, जिनका नाम है 'भगवान' और उनकी लड़की का नाम है भक्ति, मम्मी बोलती है कि, 'बेटा भगवान की भक्ति में मन लगाया कर' अब मम्मी को कैसे समझाऊ की भक्ति में तो मन लगाता हूं, पर भगवान नहीं मान रहे।

कहानी | बिल्ली और चूहा

एक बिल्ली बहुत ही चालाक और चौकस थी और उसकी इसी चालाकी और चौकसी को देखकर चूहे भी सावधान हो गये थे और अब चूहे बिल्ली के हाथ नहीं आ रहे थे। जिससे बिल्ली भूख के मारे तड़पने लगी। एक भी चूहा उसके हाथ नहीं आता था, भूख से बचने के लिए बिल्ली योजना बनाने लगी। तभी उसके दिमाग में कुछ आया और वो एक टेबल पर उल्टी लेट गई। उसने सभी चूहों को यह सोचने पर मजबूर कर दिया कि वो मर चुकी है। सारे चूहे बिल्ली को ऐसे लेटा हुआ अपने बिल से ही देख रहे थे। उन्हें पता था कि बिल्ली बहुत चालाक है, इसलिए उनमें से कोई भी चूहा अपने बिल से बाहर नहीं आया। लेकिन, बिल्ली भी बहुत देर तक उसी टेबल पर उल्टी लेटी रही। धीरे-धीरे चूहों को लगने लगा कि बिल्ली मर चुकी है। वो जश्न मनाते हुए अपने बिल से निकलने लगे। चूहे जैसे ही बिल्ली की टेबल के पास पहुंचे, उसने दो चूहे पकड़ लिए। बिल्ली ने इस बार तो अपने पेट को भर लिया, लेकिन चूहे अब और भी ज्यादा सतर्क हो गए। क्योंकि चूहे अब बिल्कुल भी लापरवाही नहीं बरतना चाहती थे। इस बार पेट भरने के लिए एक बार फिर बिल्ली को योजना बनानी थी। इस बार बिल्ली ने अब खुद को पूरे आटे से ढक लिया। चूहों ने सोचा कि वह आटा है और उसे खाने के लिए आ गए। लेकिन एक बूढ़े चूहे ने उन्हें रोक दिया। उसने ध्यान से आटा देखा, तो उसे उसमें बिल्ली का आकार दिखने लगा। तभी बूढ़े चूहे ने कहा सब अपने बिल में चले जाओ। यहां आटे में बिल्ली छुपी है। यह सुनकर सारे चूहे अपने बिल में चले गए। जब बहुत देर तक एक भी चूहा नहीं आया तो बिल्ली थकने की वजह से उठ गई। इस तरह बूढ़े चूहे ने सारे चूहों की जान बचा ली।

7 अंतर खोजें

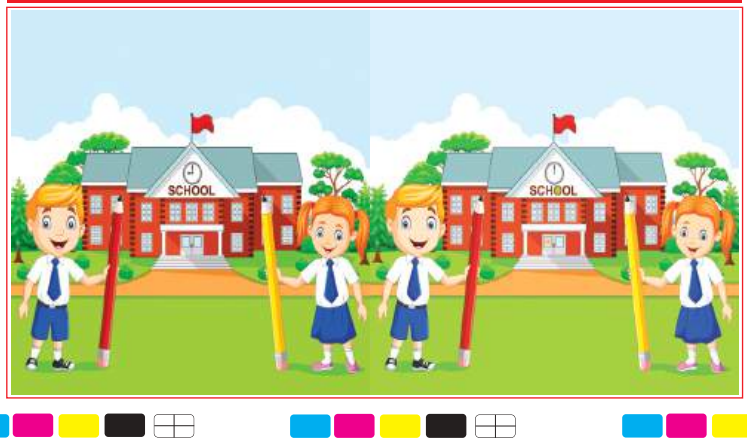

जानिए कैसा रहेगा कल का दिन

पंडित संदीप आत्रेय शास्त्री

लेखक प्रसिद्ध ज्योतिषविद हैं। सभी प्रकार की समस्याओं के समाधान के लिए कॉल करें-9837081951

मेष

वाणी पर नियंत्रण रखें। स्वास्थ्य का पाया कमजोर रहेगा। विवेक से कार्य करें। शेयर मार्केट व म्युचुअल फंड से लाभ होगा। स्थायी संपत्ति के कार्य बड़ा लाभ दे सकते हैं।

वृषभ

पार्टी व पिकनिक का कार्यक्रम बनेगा। मनोरंजन का समय मिलेगा। रचनात्मक कार्य सफल रहेंगे। मनपसंद भोजन का आनंद मिलेगा। कारोबारी वृद्धि की योजना बनेगी।

मिथुन

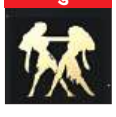

बुरी खबर प्राप्त हो सकती है। दौड़धूप अधिक होगी। वाणी में हल्के शब्दों के प्रयोग से बचें। कीमती वस्तुएं संभालकर रखें। काम में मन नहीं लगेगा।

कर्क

थकान व कमजोरी रह सकती है। खान-पान पर ध्यान दें। घर-परिवार की चिंता बनी रहेगी। उन्नति के मार्ग प्रशस्त होंगे। मित्रों की सहायता करने का मौका मिलेगा।

सिंह

विवाद को बढ़ावा न दें। हल्की हंसी-मजाक करने से बचें। उत्साहवर्धक सूचना प्राप्त होगी। आत्मसम्मान बनेगा। भूले-बिसरे साथियों से मुलाकात होगी।

कन्या

उन्नति के मार्ग प्रशस्त होंगे। यात्रा मनोरंजक रहेगी। नवीन वस्त्राभूषण की प्राप्ति पर व्यय होगा। व्यापार लाभदायक रहेगा। कोई बड़ा कार्य होने से प्रसन्नता रहेगी।

तुला

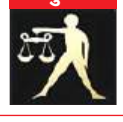

स्वास्थ्य का पाया कमजोर रहेगा। विवाद को बढ़ावा न दें। बनते काम बिगड़ सकते हैं। तनाव रहेगा। व्यापार ठीक चलेगा। यात्रा में विशेष सावधानी रखें।

वृश्चिक

दूर से अच्छे समाचार प्राप्त होंगे। जीवनसाथी से सहयोग मिलेगा। डूबी हुई रकम प्राप्त हो सकती है, प्रयास करें। यात्रा मनोरंजक रहेगी। व्यापार ठीक चलेगा।

धनु

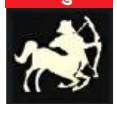

लेन-देन में जल्दबाजी न करें। समय अनुकूल है। कोई आवश्यक वस्तु समय पर नहीं मिलने से खिन्नता रहेगी। योजना फलीभूत होगी।

मकर

वाणी में हल्के शब्दों के प्रयोग से बचें। कानूनी अड़चन दूर होगी। लाभ के अवसर हाथ आएंगे। यात्रा मनोरंजक रहेगी। मनोरंजन के साधन प्राप्त होंगे। लाभ होगा।

कुम्भ

मित्रों तथा रिश्तेदारों का सहयोग मिलेगा। प्रसन्नता रहेगी। मनोरंजन होगा। चोट व दुर्घटना से हानि संभव है। जल्दबाजी व लापरवाही भारी पड़ सकती है। विवाद हो सकता है।

मीन

बुद्धि का प्रयोग किसी भी समस्या का निवारण कर सकता है, यह याद रखें। किसी प्रभावशाली व्यक्ति का मार्गदर्शन व सहयोग प्राप्त होगा। लाभ के अवसर हाथ आएंगे।

आरडी बर्मन की बायोपिक में फरहान अख्तर संग कैमियो करेंगे अक्षय कुमार

अक्षय कुमार, नीरज पांडे के साथ पांचवीं बार एक साथ काम करने जा रहे हैं। इससे पहले दोनों फिल्म स्पेशल 26, बेबी, टॉयलेट : एक प्रेम कथा और नाम शबाना में साथ काम कर चुके हैं। यह जोड़ी फिल्ममेकर की अगली फिल्म के लिए एक साथ आ रही है, जो आरडी बर्मन की बायोपिक है।

मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, फरहान अख्तर अपकमिंग फिल्म में बर्मन का किरदार निभाएंगे। अक्षय इस म्यूजिकल फिल्म में एक खास रोल में नजर आएंगे। भले ही अक्षय का रोल छोटा है, लेकिन वह बायोपिक का एक अहम हिस्सा होंगे।

पिंकविला की एक रिपोर्ट के मुताबिक, अक्षय और नीरज इस बायोपिक के लिए लगभग एक दशक बाद फिर से साथ आ रहे हैं। अक्षय को पांडे की फिल्म में रोल के लिए मनाने में ज्यादा मेहनत नहीं करनी पड़ी। अक्षय के रोल का कहानी में बहुत महत्व होगा। शुरू हुई टाइगर श्रॉफ की नई फिल्म की शूटिंग, डेब्यू को तैयार एल्विश यादव; अहम किरदार में होंगी नुसरत और पश्मीना

प्री-प्रोडक्शन स्टेज में हैं फिल्म

पांडे इस बायोपिक को डायरेक्ट कर रहे हैं और फरहान का एक्सेल एंटरटेनमेंट इस फीचर फिल्म को को-प्रोड्यूस कर रहा है। यह म्यूजिकल फिल्म अभी प्री-प्रोडक्शन स्टेज में है क्योंकि टीम युवा बर्मन के सदाबहार गानों को फिर से बनाने के लिए म्यूजिक पर काम कर रही है।

बायोपिक की शूटिंग सितंबर में शुरू होने की उम्मीद है।

बर्मन बायोपिक के अलावा, फरहान ऑस्कर विजेता डायरेक्टर सैम मेंडेस के निर्देशन में बन रही फिल्म बीटल्स में संगीत के दिग्गज, पंडित रवि शंकर का किरदार निभाने वाले हैं।

भूत बंगला और वेलकम टू द जंगल में नजर आने के बाद, अक्षय कुमार अब प्रियदर्शन की फिल्म हैवान की रिलीज का इंतजार कर रहे हैं। इस फिल्म में वह मैं खिलाड़ी तू अनाड़ी के अपने को-स्टार सैफ अली खान के साथ फिर से काम करेंगे।

सोनल चौहान की शानदार तस्वीरें देख गदगद हुए फैंस

बॉलीवुड | गपशप

सोनल चौहान अपनी अपकमिंग फिल्म मिर्जापुर को लेकर चर्चा में हैं। इस बीच उन्होंने इंस्टाग्राम पर अपनी शानदार तस्वीरें शेयर की हैं। तस्वीरों के साथ उन्होंने एक प्यारा शब्द लिखा है। सोनल चौहान की तस्वीरों को फैंस खूब पसंद कर रहे हैं।

सोनल चौहान ने अपनी जो तस्वीरें शेयर की हैं, उनमें देखा जा सकता है कि उन्होंने शानदार लहंगा और चोली पहना है। उनकी चोली पर शानदार कढ़ाई है। उन्होंने मैचिंग ज्वैलरी पहनी है। अभिनेत्री ने दोनों हाथों पर अपना दुपट्टा डाला है। डार्क मेकअप और खुले बालों से उन्होंने अपने लुक को पूरा किया है। तस्वीरें शेयर करते हुए अभिनेत्री ने कैप्शन में लिखा है इश्क। सोनल की तस्वीरों पर फैंस कमेंट कर रहे हैं। एक यूजर ने लिखा भारत में ताज महल के बाद आप मुझे सबसे ज्यादा पसंद हो। एक और यूजर ने लिखा आपसे एक बार मिलने की इच्छा है। एक और यूजर ने लिखा आप इमरान हाशमी के साथ अच्छी लगती हो। कई दूसरे यूजर्स ने अभिनेत्री की तारीफ की है।

मिर्जापुर की स्टारकास्ट आपको बता दें कि सोनल चौहान अपकमिंग फिल्म मिर्जापुर में विद्या का किरदार निभाएंगी। इस फिल्म में अली फजल, पंकज त्रिपाठी, दिव्येंदु, जितेंद्र कुमार, रसिका दुग्गल और रवि किशन होंगे। ये वेब सीरीज मिर्जापुर पर आधारित होगी। यह गौरतलब है कि सोनल चौहान ने 2008 में फिल्म जन्नत से बॉलीवुड में डेब्यू किया था। दर्शकों को इमरान हाशमी के साथ उनकी केमेस्ट्री पसंद आई थी। इस फिल्म में बेहतरीन अभिनय करने की वजह से साल 2009 के फिल्मफेयर अवॉर्ड में बेस्ट डेब्यू एक्ट्रेस के लिए नामांकन मिला था।

बॉलीवुड | मन की बात

अपने करियर के पहले पांच साल में मैं युवा और अनुभवहीन थी : दीया मिर्जा

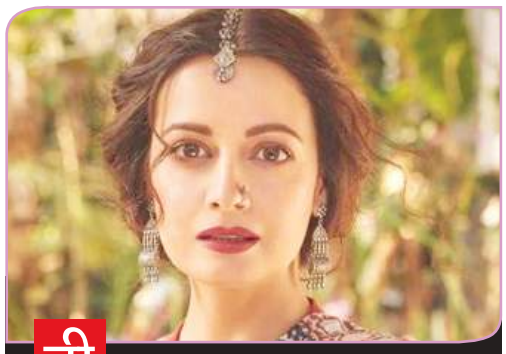

दीया मिर्जा उन अभिनेत्रियों में से एक हैं जो ब्रेक लेकर काम करना पसंद करती हैं। 2026 में वह अब तक अल्फा और इक्का जैसी फिल्मों में नजर आ चुकी हैं। जल्द ही उनका तीसरा प्रोजेक्ट वेब सीरीज ऑपरेशन सफेद सागर भी रिलीज होगा। एक बातचीत में दीया ने अपने अभिनय के उतार-चढ़ाव पर रोशनी डाली। साथ ही बताया कि इन दिनों वह फिल्मों में छोटे रोल क्यों कर रही हैं। फिल्म 'इक्का' और 'अल्फा' में दीया का रोल काफी छोटा था। दीया ने कहा, 'किसी कहानी का हिस्सा बनने का निर्णय कभी भी भूमिका की लंबाई के आधार पर नहीं लिया जाना चाहिए। मुझे लगता है कि इसका निर्धारण उस किरदार के अंदर की गहराई या सच्चाई के आधार पर होना चाहिए। कभी-कभी आप उस किरदार से भी आकर्षित हो जाते हैं जिसे आपको निभाना होता है और आपको लगता है कि आप उस सच्चाई को जी सकते हैं जिसे वह किरदार साकार करना चाहता है। अपनी बात को आगे बढ़ाते हुए अभिनेत्री ने कहा, 'अपने करियर के पहले पांच साल में मैं युवा और अनुभवहीन थी और खुद को समझने की कोशिश कर रही थी। हो सकता है कि मैंने कुछ बेहतरीन प्रोजेक्ट्स को इसलिए ठुकरा दिए हो क्योंकि उनमें स्क्रीन टाइम कम थीं। लेकिन अपने करियर के पिछले 20 साल में मैंने ऐसा कभी नहीं किया।' बताते चलें कि दीया मिर्जा ऑपरेशन सफेद सागर में विंग कमांडर टोनी धनोआ की पत्नी का किरदार निभा रही हैं। यह सीरीज 7 अगस्त को नेटफ्लिक्स पर रिलीज होने जा रही है। इसका निर्देशन ओनी सेन ने किया है। इस सीरीज में सिद्धार्थ, जिमी शेरगिल, अभय वर्मा, दीया मिर्जा, प्राजक्ता कोली, आदिल हुसैन, मिहिर आहूजा, तारुक रैना, अर्णव भसीन और अमृता बागची जैसे कलाकार हैं।

करोड़ों की कॉर्पोरेट लाइफ छोड़ पहाड़ों में बस गया कपल, अब प्रकृति के बीच कर रहे बच्चों की परवरिश

तेज रफ्तार कॉर्पोरेट जिंदगी, लंबे ऑफिस घंटे और लगातार बढ़ते काम के दबाव से परेशान लोगों के बीच एक कपल की कहानी सोशल मीडिया पर खूब पसंद की जा रही है। यह कहानी एक ऐसे कपल की है, जिन्होंने अच्छी-खासी नौकरी, शानदार सैलरी और विदेश में करियर छोड़कर प्रकृति के बीच सुकून भरी जिंदगी जीने का फैसला किया। वायरल पोस्ट के अनुसार, युवक का बचपन हिमाचल प्रदेश के शिमला में बीता। साधारण परिवार से आने के कारण उसके मन में हमेशा बड़ी नौकरी और आर्थिक सफलता हासिल करने का सपना था। फैशन मैनेजमेंट की पढ़ाई के दौरान दिल्ली में उसकी मुलाकात गरिमा से हुई और दोनों धीरे-धीरे एक-दूसरे के करीब आ गए। पढ़ाई पूरी होने के बाद गरिमा को अच्छी नौकरी मिली और उन्हें विदेश यात्रा का भी मौका मिला। लेकिन कुछ समय बाद लगातार काम के दबाव और थकान ने उन्हें परेशान करना शुरू कर दिया। उन्होंने नौकरी बदलने का फैसला किया, लेकिन उस समय उनके पति को यह फैसला समझ नहीं आया। उनके लिए सफलता का मतलब केवल ऊंचा पद और बड़ी सैलरी था। साल 2015 में शादी के बाद युवक को सिंगापुर में शानदार नौकरी का अवसर मिला। दोनों वहां शिफ्ट हो गए। इसी दौरान गरिमा ने चाइल्ड साइकोलॉजी की पढ़ाई शुरू की और परिवार के साथ बच्चों की परवरिश को लेकर नई सोच विकसित की। धीरे-धीरे दोनों को महसूस हुआ कि भागदौड़ भरी जिंदगी में वे अपने परिवार और खुद के लिए समय ही नहीं निकाल पा रहे हैं। वायरल पोस्ट के मुताबिक, एक दिन गरिमा ने अपने पति से पूछा, अगर जिंदगी के आखिरी पल हों, तो क्या ज्यादा मायने रखेगा कंपनी का बड़ा पद या अपने परिवार के साथ बिताया समय? यही सवाल उनकी जिंदगी बदलने की वजह बना। दोनों ने जल्दबाजी में फैसला नहीं लिया, बल्कि करीब आठ साल तक योजना बनाई और फिर 33 साल की उम्र में कॉर्पोरेट दुनिया को अलविदा कह दिया। हालांकि, यह कहानी सोशल मीडिया पर शेयर किए गए अनुभव पर आधारित है और इसकी स्वतंत्र रूप से पुष्टि नहीं हुई है। यह खबर भी वायरल वीडियो पर आधारित है, न्यूज18 इसकी पुष्टि नहीं करता है। इसके बाद यह कपल उत्तराखंड में बस गया। वहां उन्होंने प्रकृति, जड़ी-बूटियों और पारंपरिक ज्ञान के बारे में सीखा। आज वे अपने बच्चों की परवरिश प्राकृतिक माहौल में कर रहे हैं और मानसिक व शारीरिक रूप से खुद को पहले से ज्यादा स्वस्थ महसूस करते हैं। साथ ही वे ऐसे परिवारों का मार्गदर्शन भी करते हैं, जो तनावमुक्त जीवन और बच्चों की अलग तरह की शिक्षा अपनाना चाहते हैं।

अजब-गजब | इस शिक्षक के पढ़ाने का है अजीब तरीका

स्कूल पहुंचते ही बच्चों के जूते साफ करता है ये शिक्षक

शिक्षक और छात्र का रिश्ता सिर्फ पढ़ाई-लिखाई तक सीमित नहीं होता, बल्कि यह भरोसे, सम्मान और प्रेरणा का रिश्ता भी होता है। एक अच्छा शिक्षक सिर्फ किताबों का ज्ञान नहीं देता, बल्कि अपने व्यवहार और संस्कारों से बच्चों का आत्मविश्वास बढ़ाता है और उन्हें बेहतर इंसान बनने की सीख भी देता है। यही वजह है कि कई शिक्षक अपने काम से बच्चों की जिंदगी पर ऐसी छाप छोड़ जाते हैं, जिसे वे जिंदगीभर नहीं भूलते। इन दिनों सोशल मीडिया पर एक ऐसे ही शिक्षक का वीडियो तेजी से वायरल हो रहा है, जिसने अपनी अनोखी सोच और बच्चों के प्रति सम्मान भरे व्यवहार से लाखों लोगों का दिल जीत लिया है।

वायरल हो रहा यह वीडियो तंजानिया के बुईगिरी स्कूल फॉर द ब्लाइंड का बताया जा रहा है। इस स्कूल में दृष्टिबाधित (नेत्रहीन) बच्चे पढ़ते हैं। यहां पढ़ाने वाले शिक्षक वाकती जोसेफ कलोंडा हर सुबह अपने छात्रों का स्वागत एक ऐसे अंदाज में करते हैं, जिसे देखकर हर कोई भावुक हो रहा है। वीडियो में देखा जा सकता है कि बच्चे धूल भरे रास्तों से पैदल चलकर स्कूल पहुंचते हैं। जैसे ही वे स्कूल के गेट पर आते हैं, शिक्षक उनके सामने झुक जाते हैं और एक कपड़े से उनके जूतों की धूल साफ करने लगते हैं। इसके बाद वह हर बच्चे से मुस्कुराकर बात करते हैं और उन्हें

प्यार से प्रोत्साहित करते हैं।

जूते साफ करने के बाद शिक्षक बच्चों से कुछ ऐसे शब्द कहते हैं, जो उनका आत्मविश्वास कई गुना बढ़ा देते हैं। वह हर छात्र से कहते हैं- 卐तुम बहुत अच्छे होज तुम सब कुछ कर सकते होज तुम विजेता हो।卐 शिक्षक के ये शब्द सुनते ही बच्चों के चेहरे पर मुस्कान आ जाती है। उनके चेहरे का आत्मविश्वास साफ दिखाई देता है। ऐसा लगता है कि स्कूल में दिन की शुरुआत ही सकारात्मक सोच और सम्मान के साथ होती है। यही वजह है कि इस वीडियो को देखने वाले लोग शिक्षक की जमकर तारीफ कर रहे हैं।

वीडियो वायरल होने के बाद हजारों लोग इस शिक्षक के काम की सराहना कर रहे हैं। एक यूजर ने लिखा- दुनिया को ऐसे ही शिक्षकों की जरूरत है। दूसरे यूजर ने कहा- असली शिक्षक वही होता है, जो बच्चों को सिर्फ पढ़ाई नहीं, बल्कि जिंदगी जीना भी सिखाए। कई लोगों ने यह भी लिखा कि शिक्षक का मकसद सिर्फ बच्चों के जूते साफ करना नहीं है, बल्कि उन्हें यह एहसास दिलाना है कि वे सम्मान के हकदार हैं और किसी से कम नहीं हैं। खास जरूरतों वाले बच्चों के लिए ऐसे छोटे-छोटे व्यवहार उनके आत्मविश्वास और सोच पर गहरा असर डालते हैं। सोशल मीडिया पर लोग इस वीडियो को प्रेरणादायक बता रहे हैं। उनका कहना है कि शिक्षा का असली मतलब सिर्फ किताबों का ज्ञान देना नहीं, बल्कि बच्चों के मन में सम्मान, आत्मविश्वास और सकारात्मक सोच पैदा करना भी है। शिक्षक वाकती जोसेफ कलोंडा का यह छोटा-सा कदम यही संदेश देता है कि एक सच्चा गुरु वही होता है, जो अपने छात्रों को सिर्फ पढ़ाता नहीं, बल्कि उन्हें यह विश्वास भी दिलाता है कि वे जीवन में किसी भी मंजिल को हासिल कर सकते हैं। शायद यही वजह है कि यह वीडियो दुनिया भर के लोगों का दिल जीत रहा है.

तमिलनाडु में सियासी बवाल : अभिनेत्री त्रिशा पर द्विअर्थी टिप्पणी पर उदयनिधि गिरफ्तार

» भाजपा और टीवीके ने खोला था मोर्चा

» डीएमके ने राजनीतिक प्रतिशोध बताया

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

चेन्नई। उदयनिधि स्टालिन की अभिनेत्री तृषा के खिलाफ आपत्तिजनक टिप्पणी के मामले में गिरफ्तारी के बाद राज्य में घमासान मच गया है। जहां भाजपा ने स्वागत किया, जिसे सनातन धर्म के अपमान से जोड़ते हुए जैसे को तैसा बताया। इस घटना ने तमिलनाडु की राजनीति में महिला गरिमा और राजनीतिक टिप्पणियों की सीमाओं पर नई बहस छेड़ दी है, जहां डीएमके इसे राजनीतिक प्रतिशोध बता रही है। बातदें तंजावुर में कावेरी मुद्दे पर आयोजित एक विरोध प्रदर्शन रैली का वीडियो तेजी से वायरल हो रहा है, जिसमें वे तमिलनाडु के मुख्यमंत्री सी. जोसेफ विजय और अभिनेत्री त्रिशा का संदर्भ देते हुए कथित तौर पर द्विअर्थी और अश्लील टिप्पणी करते सुने जा सकते हैं।

इस बयान के सामने आने के बाद टीवीके और भाजपा ने डीएमके पर जमकर निशाना साधा है। टीवीके विधायक रेवंत चरण ने इस टिप्पणी को घिनौना और अस्वीकार्य बताते हुए डीएमके नेतृत्व पर राजनीतिक स्तर गिराने और उकसावे वाली हरकतें करने का आरोप लगाया। वायरल वीडियो पर प्रतिक्रिया देते हुए चरण ने टिप्पणी को बेहद घिनौना बताया और कहा कि किसी के भी खिलाफ ऐसी बातें अस्वीकार्य हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि यह घटना डीएमके की राजनीतिक संस्कृति और गिरते स्तर को दर्शाती है। चरण ने यह भी दावा किया कि विरोध प्रदर्शन को ज़्यादा समर्थन नहीं मिला और आरोप लगाया कि पार्टी सोशल मीडिया पर ध्यान खींचने के लिए सस्ते उकसावे का सहारा ले रही है। वायरल वीडियो पर प्रतिक्रिया देते हुए चरण ने टिप्पणी को बेहद घिनौना बताया और कहा कि किसी के भी खिलाफ ऐसी बातें अस्वीकार्य हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि यह घटना डीएमके की राजनीतिक संस्कृति और गिरते स्तर को दर्शाती है। चरण ने यह भी दावा किया कि विरोध प्रदर्शन को ज़्यादा समर्थन नहीं मिला और आरोप लगाया कि पार्टी सोशल मीडिया पर ध्यान खींचने के लिए सस्ते उकसावे का सहारा ले रही है। उन्होंने चेतावनी दी कि लगातार अहंकार और बदतमीज़ी से जनता के बीच छवि की अहमियत और कम हो जाएगी। उन्होंने कहा, यही वजह है कि तमिलनाडु की जनता ने आपको नकार दिया और आज आप जिस स्थिति में हैं, वहीं तक सीमित कर दिया।

डीएमके पर विपक्ष ने उठाए थे सवाल

टिप्पणी घिनौना और अस्वीकार्य : रेवंत चरण

स्टालिन के साथ ऐसा ही होना था : मालवीय

भाजपा के आईटी सेल प्रमुख अमित मालवीय ने कहा कि स्टालिन के साथ ऐसा ही होना था। उन्होंने कहा कि जिस व्यक्ति ने सनातन धर्म का अपमान किया, उसे एक महिला के बारे में घटिया और अपमानजनक टिप्पणी करने के आरोप में गिरफ्तार किया गया है। उनके साथ ऐसा ही होना था।

उदयनिधि पर कानूनी कार्रवाई से विश्वसनीयता बढ़ेगी : नारायणन तिरुपति

बीजेपी की तमिलनाडु इकाई ने भी विपक्ष के नेता की टिप्पणी की आलोचना करते हुए इसे घिनौना, अश्लील, भद्दा और शर्मनाक बताया। राज्य बीजेपी प्रवक्ता नारायणन तिरुपति ने भी पूर्व सीएम एमके स्टालिन की चुप्पी की आलोचना की और उदयनिधि की गिरफ्तारी की मांग करते हुए कहा कि कानूनी कार्रवाई से मुख्यमंत्री विजय की विश्वसनीयता बढ़ेगी।

सीएम को डीएमके के खिलाफ झूठे केस दर्ज करने की चिंता : उदयनिधि

कावेरी मुद्दे पर एक रैली को संबोधित करते हुए, जब उदयनिधि मुख्यमंत्री सी. जोसेफ विजय की आलोचना कर रहे थे, तो बीच-बीच में त्रिशा, त्रिशा के नारे लग रहे थे। वायरल हुए वीडियो में उदयनिधि को यह कहते हुए सुना गया, कावेरी का एक बूंद पानी भी नहीं मिला है। लेकिन क्या मुख्यमंत्री ने इस बारे में कुछ कहा है? नहीं। उन्हें तो बस डीएमके के खिलाफ झूठे केस दर्ज करने की चिंता है। जब नारे लगते रहे, तो वे रुके, मुस्कुराए और एक ऐसी टिप्पणी की जिसे कई लोगों ने एक्ट्रेस त्रिशा (जो विजय की को-स्टार और करीबी दोस्त है) की ओर इशारा माना– खासकर तब जब सोशल मीडिया पर उनके रिश्ते को लेकर लंबे समय से अटकलें लगाई जा रही हैं।उन्होंने कहा, पानी कहीं और पहुंचे या न पहुंचे, वहां तो पहुंचना ही चाहिए, और फिर मुस्कुराते हुए स्पष्ट किया कि वे कावेरी की बात कर रहे थे।

दलीप ट्रॉफी में अर्शदीप सिंह और अंशुल को मिली जगह

» कन्हैया वधवान की कप्तानी वाली उत्तर क्षेत्र की टीम में अर्शदीप शामिल

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। भारत के बाएं हाथ के तेज गेंदबाज अर्शदीप सिंह को आगामी दलीप ट्रॉफी के लिए सोमवार को उत्तर क्षेत्र की टीम में शामिल किया गया, जबकि जम्मू-कश्मीर के विकेटकीपर बल्लेबाज कन्हैया वधवान को 15 सदस्यीय टीम का कप्तान नियुक्त किया गया है। टीम इंडिया के लिए सफेद गेंद के विशेषज्ञ अर्शदीप को 2025 के इंग्लैंड दौरे के दौरान टेस्ट टीम में शामिल किया गया था, लेकिन चोट और संयोजन से जुड़ी समस्याओं के कारण वह भारत के लिए लाल गेंद के प्रारूप में डेब्यू नहीं कर पाए थे।

टेस्ट टीम से बाहर चल रहे हरियाणा के अंशुल कंबोज को भी 23 अगस्त से शुरू होने वाले इस टूर्नामेंट के लिए नॉर्थ जोन की टीम में जगह मिली है। जम्मू-कश्मीर की ऐतिहासिक रणजी ट्रॉफी जीत से उत्साहित चयनकर्ताओं ने चैंपियन टीम के छह खिलाड़ियों को इस टीम में जगह दी है। वधवान के अलावा इसमें ओपनर कमरान इकबाल, ऑलराउंडर अब्दुल समद, बाएं हाथ के स्पिनर आबिद मुश्ताक, तेज गेंदबाज सुनील कुमार और तेज गेंदबाज युद्धवीर सिंह शामिल हैं। दिल्ली के आयुष बडोनी को उपकप्तान बनाया गया है, जबकि जम्मू-कश्मीर के अनुभवी कप्तान पारस डोगरा इस टूर्नामेंट के लिए नहीं चुना गया क्योंकि दलीप ट्रॉफी मुख्य रूप से राष्ट्रीय स्तर पर अपनी छाप छोड़ने की कोशिश करने वाले खिलाड़ियों के लिए है। तेज गेंदबाज आकिब नबी राष्ट्रीय टीम में शामिल होने के कारण अनुपलब्ध रहेंगे। जम्मू-कश्मीर के बाद दिल्ली का प्रतिनिधित्व सबसे अधिक है, जिससे ओपनर सनत सांगवान, पूर्व कप्तान यश ढुल, मजबूत मध्यक्रम के बल्लेबाज आयुष डोसेजा और बडोनी टीम में शामिल हैं। भारत ए के नियमित खिलाड़ी निशांत सिंधु, आबिद मुश्ताक और अर्जुन शर्मा स्पिन और ऑलराउंड विकल्प प्रदान करेंगे।

पहली बार टीम इंडिया में चुने गए आकिब नबी

मुंबई। भारत के स्टार तेज गेंदबाज जसप्रीत श्रीलंका के खिलाफ आगामी दो टेस्ट मैचों की सीरीज से बाहर हुए बुमराह की जगह चयन समिति ने जम्मू-कश्मीर के तेज गेंदबाज आकिब नबी को भारतीय टेस्ट टीम में शामिल किया है। आकिब नबी को पहली बार भारतीय सीनियर टीम में जगह मिली है। जम्मू-कश्मीर के इस युवा तेज गेंदबाज ने पिछले दो रणजी ट्रॉफी सीजन में शानदार प्रदर्शन करते हुए कुल 104 विकेट लिए हैं। 2025-26 रणजी ट्रॉफी सीजन में उन्होंने 60 विकेट चटकाए और जम्मू-कश्मीर को पहली बार रणजी ट्रॉफी का खिताब जिताने में अहम भूमिका निभाई। आकिब नबी हाल ही में इंडिया ए टीम के साथ श्रीलंका दौरे पर भी गए थे। वहां उन्होंने दो प्रथम श्रेणी मैचों में छह विकेट अपने नाम किए थे। उनके लगातार अच्छे प्रदर्शन का इनाम अब सीनियर भारतीय टीम में चयन के रूप में मिला है। भारतीय टीम के लिए विश्व टेस्ट चैंपियनशिप फाइनल में पहुंचने के लिहाज से यह सीरीज जीतनी जरूरी है। भारत को दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ पिछली घरेलू टेस्ट सीरीज में 2-0 से हार मिली थी।

बांकीपुर विस सीट से भाजपा की हार पर रार

» 13 करोड़ लोगों का जीवन सुधारने के लिए क्या काबिल व्यक्ति को राज्य का नेतृत्व करना चाहिए : पीके

» जदयू नेता बोले- जनता ही मालिक, जनता जो चाहेगी वही होता है

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

पटना। बांकीपुर विधानसभा सीट से भाजपा की हार पर नेताओं की प्रतिक्रिया आने लगी है। जहां भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष ने जनता का फै सला स्वीकार करते हुए कहा परिणाम अपेक्षित नहीं है और हम आत्मपरीक्षण क र आगे सुधार की फिर चुनाव लड़ेंगे। वहीं भारतीय जनता पार्टी को हरा कर विधायक बने जनसुराज के प्रमुख प्रशांत किशोर ने कहा कि ठीक है सम्राट चौधरी ने बधाई दी है। सम्राट चौधरी ने पहले भी अपना भाई बोला है।

उनसे मेरी कोई व्यक्तिगत लड़ाई नहीं है। लड़ाई इस बात की है कि बिहार के 13 करोड़ लोगों का जीवन सुधारने के लिए क्या काबिल व्यक्ति को राज्य का नेतृत्व करना चाहिए? या कोई ऐसा व्यक्ति को नेतृत्व करना चाहिए जिसका चाल, चरित्र, चेहरा पर भी सवाल उठ रहा है। जनता को यह सब तय करना चाहिए। वहीं प्रशांत किशोर की जीत पर जनता दल यूनाईटेड के विधायक और बाहुबली अनंत सिंह ने कहा कि जनता मालिक है। उन्होंने जिन्हें वोट दिया, वहीं जीते। जनता जो चाहेगी वही होता है। वह जिसको चाहती है, उसे कुर्सी पर बैठा सकती है। जैसे जनता में हवा उड़ा दिया गया है कि भाजपा ने मनमानी कर नीतीश कुमार मुख्यमंत्री की कुर्सी से हटा दिया। हालांकि, ऐसी बात नहीं है मैंने इस बात का पता लगाया।

जनता को यह खेल पसंद नहीं : अनंत सिंह

अनंत सिंह ने कहा कि नीतीश कुमार के मुख्यमंत्री पद के हटने से जनता दुखी है। वह इनसब के लिए भाजपा को दोषी मानती है। यह खेल जनता को पसंद नहीं है। जनता में इस बात की बदबू है कि नीतीश कुमार के साथ भाजपा ने गलत किया। इस बात से जनता दुखी है। हालांकि, अनंत सिंह ने यह भी कहा कि इस बात में सच्चाई नहीं है। नीतीश कुमार ने अपने मन से मुख्यमंत्री पद का त्याग किया है। लेकिन, जनता यह सच नहीं समझ रही। अनंत सिंह ने राजद पर भी निशाना साधा है। कहा कि वह पार्टी ही नहीं है। एक आदमी उनके साथ चलने के लिए तैयार नहीं है। इस बार उनके वोट बैंक ने अपना मत बर्बाद नहीं किया। सारा वोट दूसरी ओर शिफ्ट हो गया।

भाजपा के विरोध और लोकतंत्र में जनता के विश्वास की है यह जीत : रोहिणी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

पटना। लालू प्रसाद की बेटी रोहिणी आचार्य का एक्स पर पोस्ट में ऐसा संदेश दिया है। उन्होंने जन सुराज के उम्मीदवार प्रशांत किशोर की जीत पर बधाई दी है। उनके संदेश को केवल जीत की शुभकामना नहीं, बल्कि बिहार की मौजूदा राजनीतिक परिस्थितियों पर एक महत्वपूर्ण टिप्पणी के रूप में भी देखा जा रहा है।

रोहिणी ने लिखा कि जीत उसी की होती है, जो लगातार जनता के बीच रहता है, कार्यकर्ताओं का सम्मान करता है और उनसे निरंतर संवाद बनाए रखता है। यह जीत भाजपा के विरोध और लोकतंत्र में जनता के विश्वास की जीत है। विजेता को हार्दिक बधाई तथा जन-समर्पित कार्यकाल एवं उज्ज्वल भविष्य के लिए अनंत शुभकामनाएं।

पात्रता शर्तों में सांसदों या विधायकों की सिफारिश की जरूरत अव्यावहारिक : देवेन्द्र

» 'लक्ष्मी योजना' को लेकर कांग्रेस अध्यक्ष ने भाजपा को घेरा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नयी दिल्ली। कांग्रेस की दिल्ली इकाई के अध्यक्ष देवेंद्र यादव ने हाल में शुरू की गई दिल्ली सरकार की 'लक्ष्मी योजना' का लाभ लेने के लिए रखी गई पात्रता शर्तों में सांसदों या विधायकों की सिफारिश की जरूरत को अव्यावहारिक बताया। यादव ने पत्रकारों से कहा कि जो महिलाएं सरकारी पात्रता शर्तों को पूरा करती हैं, उन्हें लाभ पाने के लिए चुने हुए जनप्रतिनिधियों से सिफारिश लगवाने की जरूरत नहीं होनी चाहिए।

उन्होंने कहा, अगर कोई महिला पात्रता की शर्तें पूरी करती है और उसे सच में जरूरत है, तो विधायक या सांसद की सिफारिश की जरूरत क्यों है? क्या महिलाएं प्रपत्र भरती रहेंगी और सांसदों तथा विधायकों के कार्यालयों के चक्कर लगाती रहेंगी? कांग्रेस के इन आरोपों पर दिल्ली सरकार की ओर से तत्काल कोई प्रतिक्रिया नहीं आई। मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने एक अगस्त को 'दिल्ली लक्ष्मी योजना' के लिए ऑनलाइन पंजीकरण पोर्टल की शुरुआत की थी।

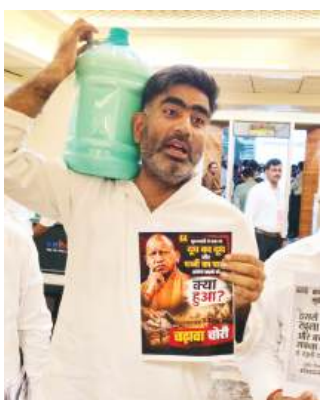

भारी हंगामे के बीच यूपी सरकार का अनुपूरक बजट पेश

विस में जमकर हंगामा, चढ़ावा चोरी पर विपक्ष ने चर्चा कराने की मांग की, सपा बोली-योगी सरकार अपनी नाकामी छिपाने के लिए ला रही अनुपूरक बजट

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। भारी हंगामें के बीच यूपी सरकार ने विधानसभा के मॉनसून सत्र में अनुपूरक बजट पेश कर दिया। यह 59 हजार करोड़ का अनुपूरक बजट है। बजट में ग्रामीण विकास और बुनियादी ढांचे,कृषि एवं संबंधित क्षेत्रों, लोगों का स्वास्थ्य सुधारने और ऊर्जा क्षेत्र में ध्यान केंद्रित किया गया है। उत्तर प्रदेश विधानसभा के मॉनसून सत्र के दूसरे दिन की शुरुआत होते ही सदन में जमकर हंगामा हुआ। जिसके बाद सदन को 12 बजकर 20 मिनट के लिए स्थगित कर दिया गया है।

सदन में राम मंदिर चढ़ावा चोरी के कथित मामले पर चर्चा की मांग को लेकर विपक्ष ने जोरदार हंगामा किया। इस दौरान स्पीकर सतीश महाना ने कहा जिसने चंदा दिया हो, वो रसीद लेकर आए विपक्ष ने इस मुद्दे पर सदन में चर्चा कराने की मांग दोहराई, जिसके चलते सदन का माहौल गर्म रहा। उधर समाजवादी पार्टी के सदस्यों ने मंगलवार को उत्तर प्रदेश विधानसभा परिसर में प्रदर्शन किया और भाजपा सरकार पर जमकर निशाना साधा। वरिष्ठ नेता शिवपाल सिंह यादव ने आरोप लगाया कि सरकार अपनी विफलता छिपाने के लिए अनुपूरक बजट ला रही है।

विधायक सचिन पर नाराज हुए विधानसभा अध्यक्ष

सपा के हंगामे पर विधानसभा अध्यक्ष नाराज हो गए। उन्होंने विधायक सचिन को तत्काल बाहर जाने के लिए कहा। विधायक सचिन मुख्यमंत्री की तस्वीर पर नारा लिखकर हंगामा कर रहे थे। इसी बात पर सतीश महाना नाराज हो गए। उन्होंने एथिक्स कमेटी को शिकायत भेजकर उनकी सदस्यता तक रद्द कराने के प्रस्ताव की अनुशंसा करने की धमकी दे दी। इसके बाद कल सुबह 11 बजे तक के लिए सदन को स्थगित कर दिया गया।

सदन में सीएम योगी बोले

सदन में सीएम योगी ने कहा कि जनता के मुद्दों पर चर्चा हो, इसके लिए सभी सदस्यों के पास मौका था। लेकिन, इनका न चर्चा पर विश्वास है, न सांविधानिक मूल्यों पर। इसीलिए ये लोग अव्यवस्था फैला रहे हैं।

यह चंदा चोर, चढ़ावा चोर और बजट चोर सरकार है : शिवपाल सिंह यादव

सपा के वरिष्ठ नेता एवं पूर्व मंत्री शिवपाल सिंह यादव ने संवाददाताओं से कहा कि सरकार अपनी विफलता छिपाने के लिए विधानसभा में अनुपूरक बजट पेश कर रही है, जबकि वह मूल बजट का 30 प्रतिशत हिस्सा भी अब तक खर्च नहीं कर सकी है। उन्होंने आरोप लगाया, ''यह चंदा चोर, चढ़ावा चोर और बजट चोर सरकार है। यह सरकार अपनी नाकामी छिपाने के लिए बजट लाती है और पूरे बजट की चोरी कराती है।'' यादव ने कहा कि जिस दल के शासन में भगवान राम के मंदिर के चढ़ावे को लेकर सवाल उठ रहे हों, उससे लोगों को कोई उम्मीद नहीं रह गई है। उन्होंने आरोप लगाया, राम मंदिर में कथित चढ़ावा चोरी के मामले में मुख्य आरोपियों के खिलाफ सरकार कार्रवाई नहीं कर रही और उन्हें बचा रही है। ऐसे में सरकार खुद भी चंदा चोर और चढ़ावा चोर है।'' यादव ने दावा किया कि बिहार की बांकीपुर और मध्यप्रदेश की दतिया विधानसभा सीट के उपचुनाव में भाजपा की हार 2027 के उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव में उसकी पराजय का संकेत है।

उन्होंने कहा कि अगले विधानसभा चुनाव में सपा भाजपा का ''सफाया'' कर देगी। इससे पहले यादव ने 'एक्स' पर पोस्ट कर कहा, जिस सरकार से अपना मूल बजट ही 30 से 50 प्रतिशत तक खर्च नहीं हो पाया, वह अब अनुपूरक बजट के नाम पर अपनी नाकामी छिपाने निकली है। उन्होंने कहा, प्रभु राम के नाम पर राजनीति की सबसे ऊंची चोटी बनाने वाली भाजपा बताए कि जब रामलला के दरबार में चढ़ावे को लेकर उठे सवालों और कथित गड़बड़ियों पर भी जवाबदेही तय नहीं हो पाई, तब प्रदेश के खजाने की जवाबदेही पर जनता कैसे भरोसा करे? सपा सदस्यों ने विधानमंडल के मानसून सत्र के पहले दिन सोमवार को भी विधानसभा परिसर में सरकार के खिलाफ प्रदर्शन किया था। उत्तर प्रदेश सरकार मंगलवार को विधानसभा में वित्तीय वर्ष 2026-27 का पहला अनुपूरक बजट प्रस्तुत करेगी।

विधानसभा चुनाव में सपा भाजपा का सफाया कर देगी

राज्यसभा में भी राममंदिर चढ़ावे की चोरी पर मचा घमासान

» विपक्ष व सत्तापक्ष में तकरार, कार्यवाही स्थगित

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। रम मंदिर चढ़ावा चोरी और प्रदर्शनकारी छात्रों पर पुलिस की कार्रवाई के बारे में गृह मंत्री अमित शाह के बयान की मांग कर रहे विपक्षी सांसदों के हंगामे के कारण राज्यसभा की बैठक मंगलवार को दोपहर बारह बजे तक के लिए स्थगित कर दी गई। कांग्रेस के नेतृत्व में विपक्षी दलों ने राम मंदिर में श्रद्धालुओं द्वारा चढ़ाए गए नकदी और कीमती सामान की कथित चोरी का मुद्दा उठाया, जिसका सत्ता पक्ष के सदस्यों ने जोरदार विरोध किया।

दोनों पक्षों के बीच तीखी बहस और आरोप-प्रत्यारोप के बाद सभापति सी. पी. राधाकृष्णन ने सदन की कार्यवाही दोपहर 12 बजे तक स्थगित कर दी। उच्च सदन की बैठक शुरू होने पर सभापति राधाकृष्णन ने आवश्यक दस्तावेज सदन के पटल पर रखवाए और शून्यकाल शुरू करने का ऐलान किया। इसी दौरान विपक्षी सदस्य राम मंदिर चढ़ावा चोरी और प्रदर्शनकारी छात्रों पर पुलिस की कार्रवाई के बारे में गृह मंत्री अमित शाह के बयान की मांग करने लगे। कुछ सदस्यों ने नेता प्रतिपक्ष को बोलने देने की मांग की। सभापति ने कहा कि वह नेता प्रतिपक्ष को अपनी बात रखने की अनुमति देंगे लेकिन इससे पहले विपक्षी सदस्य शांत रहें। उन्होंने नेता प्रतिपक्ष मल्लिकार्जुन खरगे से अपनी बात रखने के लिए कहा। खरगे ने कहा कि इस ट्रस्ट का गठन सरकार ने किया था और इसे 70 एकड़ भूमि आवंटित की गई थी। वह अपनी बात पूरी कर पाते, उससे पहले सभापति ने संसदीय कार्य मंत्री किरेन रीजीजू को बोलने की अनुमति दे दी।

तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट के सदस्यों की जांच क्यों नहीं : खरगे

खरगे ने सरकार द्वारा राम मंदिर के निर्माण और प्रबंधन के लिए गठित ट्रस्ट के कुछ सदस्यों पर चढ़ावे की कथित चोरी का आरोप लगाते हुए सवाल किया कि प्रवर्तन निदेशालय (ईडी), केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) और अन्य जांच एजेंसियां श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट (एसआरजेबीटीके) के सदस्यों पर लगे कथित चोरी के आरोपों की जांच क्यों नहीं कर रही हैं?

कांग्रेस और सपा इस मुद्दे पर सदन के बाहर भी नाटक कर रही : रीजीजू

रीजीजू ने कहा कि विपक्ष जिस मुद्दे को बार-बार उठाने की कोशिश कर रहा है, उसे सदन में उठाने की अनुमति नहीं दी जानी चाहिए। उन्होंने आरोप लगाया कि कांग्रेस और समाजवादी पार्टी इस मुद्दे पर सदन के बाहर भी नाटक कर रही हैं।

पीएम आवास की ओर मार्च से पीछे नहीं हटूंगा : केजरीवाल

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। ई20 ईंधन के खिलाफ प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को ज्ञापन सौंपने के लिए प्रस्तावित मार्च से पहले आम आदमी पार्टी के नेता और दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने बड़ा बयान दिया है। अरविंद ने पीएम आवास जाने से पहले कहा-ट्रंप के दबाव में देश के लोगों पर इथेनॉल थोप रहे हैं।

मुझे उम्मीद है कि वे नहीं रुकेंगे। दो लाख कॉपियां लेकर प्रधानमंत्री के पास जाएंगे। देखते हैं, कहां रोकते हैं,मुझे उम्मीद है कि वे नहीं रोकेंगे। इसी मामले पर आप की दिल्ली इकाई के अध्यक्ष सौरभ भारद्वाज ने कहा कि लाखों लोगों ने चिट्ठी लिखी थी, हम प्रधानमंत्री को देना चाहते हैं। केवल 100 लोग प्रधानमंत्री से मिलने जाएंगे, उम्मीद है कि प्रधानमंत्री मिलेंगे। साधारण लोग प्रधानमंत्री से मिलने जा रहे हैं, इसके लिए सुरक्षा की जरूरत नहीं है। केजरीवाल ने उम्मीद जताई कि प्रधानमंत्री उनसे मुलाकात करेंगे और इस मुद्दे पर लोगों की चिंताओं को सुनेंगे. अरविंद केजरीवाल ने दावा किया कि ई-20 पेट्रोल के खिलाफ शुरू किए गए ऑनलाइन अभियान को कुछ ही दिनों में 2,33,238 लोगों का समर्थन मिला है।

भाजपा से ऊब चुके हैं लोग : प्रियंका

» उपचुनाव नतीजों पर बोलीं कांग्रेस सांसद

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नयी दिल्ली। कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी वाद्रा ने विधानसभा उपचुनावों के नतीजों को लेकर मंगलवार को दावा किया कि लोग अब भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) से ऊब चुके हैं और देश में क्या हो रहा है, इसे समझने लगे हैं। उन्होंने संसद परिसर में संवाददाताओं से कहा, ''साफ है कि लोग भाजपा से थक चुके हैं, ऊब चुके हैं। लोग समझ रहे हैं कि देश में क्या हो रहा है। मेरी समझ है कि यह शुरुआत है।

यह पूछे जाने पर इन नतीजों का उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव पर कोई असर होगा, तो प्रियंका गांधी ने कहा, आगे देखेंगे। बिहार के बांकीपुर विधानसभा सीट पर हुए उपचुनाव में जन सुराज पार्टी के नेता प्रशांत किशोर ने भाजपा को पराजित किया। इससे पहले इस सीट से भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन विधायक थे। कांग्रेस ने मध्य प्रदेश की दतिया विधानसभा सीट के उपचुनाव में भाजपा को पराजित किया।भाजपा गुजरात के वडोदरा जिले की मांजलपुर विधानसभा सीट पर हुए उपचुनाव में जीत दर्ज कर यह सीट अपने पास बरकरार रखी।

मोदी सरकार की आर्थिक और रोजगार नीतियों ने देश के जॉब मार्केट को गहरे संकट में धकेला : जयराम रमेश

कांग्रेस ने भाजपा सरकार पर नौकरियों को लेकर बड़ा हमला किया है। बड़ी निजी कंपनियों में नई भर्तियों में आई कमी के दावे वाली एक रिपोर्ट का हवाला देते हुए मंगलवार को आरोप लगाया कि मोदी सरकार की आर्थिक और रोजगार नीतियों ने देश के जॉब मार्केट को गहरे संकट में धकेल दिया है। पार्टी महासचिव जयराम रमेश ने कटाक्ष करते हुए यह भी कहा कि देश का युवा अब केवल प्रचार या रील से संतुष्ट नहीं होगा, बल्कि उसे रोजगार चाहिए। उन्होंने आरोप लगाया कि मोदी सरकार युवाओं के रोजगार संकट का समाधान खोजने के बजाय हेडलाइन मैनेजमेंट और ध्यान भटकाने की राजनीति में लगी हुई है।

महाराष्ट्र कार्यालय:- 4पीएम न्यूज़ नेटवर्क, 2-डी सिटी मॉल, अंधेरी वेस्ट, मुंबई, महाराष्ट्र - 400053। विधि सलाहकार: मोहम्मद हैदर
*इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी।
RNI-UPHIN/2015/62233, दूरभाष: 0522- 4078371 | Email: daily4pm@gmail.com | website: www.4pm.co.in |
समस्त विवाद लखनऊ न्यायालय के अधीन ही होंगे।

स्वामी 4 पीएम न्यूज नेटवर्क्स प्राइवेट लिमिटेड के लिए
मुद्रक एवं प्रकाशक संजय शर्मा
द्वारा आस्था प्रिंटर्स, 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ-226010 (यूपी) से मुद्रित
पता 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ-226010 (यूपी) से प्रकाशित। संपादक- संजय शर्मा